जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:279 दिनांक: 20-09-2024 शुक्रवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में दुष्कर्म-हत्या के बाद शुरू हुई जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल खत्म होने की खबर है। जानकारी के मुताबिक आक्रोशित जूनियर डॉक्टर शनिवार से काम पर लौटेंगे।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने तिरुपति मंदिर के प्रसाद में घी की जगह जानवरों की चर्बी मिलाने का आरोप लगाया था। इसके बाद सैंपल जांच के लिए भेजे गए।

शनिवार से काम पर लौटेंगे जूनियर डॉक्टर, गतिरोध खत्म होने के बावजूद OPD बंद रहेगा

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में दुष्कर्म-हत्या के बाद शुरू हुई जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल खत्म होने की खबर है। जानकारी के मुताबिक आक्रोशित जूनियर डॉक्टर शनिवार से काम पर लौटेंगे। जूनियर डॉक्टरों के हड़ताल खत्म करने की घोषणा के बाद से गतिरोध खत्म हो जाएगा। हालांकि, इसके बावजूद ध्ऊ सेवाएं बंद रहेंगी। डॉक्टरों ने कहा है कि आपातकालीन सेवाएं बहाल होगी। सूत्रों के मुताबिक सरकार ने जूनियर डॉक्टरों की 15 में से 10 मांगों को मान लिया है। बता दें कि है कि बुधवार को नबन्ना में मुख्य सचिव से चर्चा के बाद जूनियर डॉक्टरों ने पंद्रह मांगों के संबंध में उन्हें ई-मेल किया था। उस ईमेल का जवाब शनिवार शाम को आया। स्वास्थ्य सचिव नारायण स्वरूप निगम ने ईमेल करके राज्य प्रशासन की तरफ से 10 मांगों को पूरा करने पर सहमति दी है।

जानकारी के मुताबिक शुक्रवार दोपहर से जूनियर डॉक्टरों ने स्वास्थ्य भवन से सीजीओ कॉम्प्लेक्स तक मार्च करने की योजना बनाई है। इसके बाद जूनियर डॉक्टर धरना वापस ले सकते हैं और शनिवार को काम में वापस लौट सकते हैं। 9 अगस्त को जूनियर डॉक्टर के शव की बरामदगी के बाद से वे हड़ताल पर थे। पिछले 11 दिनों से वे सॉल्ट लेक में स्वास्थ्य भवन के सामने उनका धरने पर बैठे थे। फिलहाल, उन्होंने हड़ताल वापस लेने का निर्णय लिया है, लेकिन जूनियर डॉक्टरों ने बताया कि वे आंदोलन जारी रखेंगे।

डॉक्टरों ने कहा, शुक्रवार से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चिकित्सा शिविर भी शुरू होगा। हालांकि डॉक्टरों ने कहा, धरना मंच उठने के बावजूद पूरे राज्य में आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, आंशिक जीत के लिए हम शनिवार से काम में शामिल हो रहे हैं। हमारी लड़ाई खत्म नहीं हुई है। आंशिक रूप से हड़ताल वापस लेकर हम अपनी अच्छी इच्छा दिखाना चाहते हैं। लेकिन यह लड़ाई जारी रहेगी। स्वास्थ्य सचिव के इस्तीफे पर मुख्यमंत्री ने समय मांगा है। हम निगरानी रख रहे हैं।

कोलकाता के लालबाजार स्थित आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में जूनियर डॉक्टर के साथ 8-9 अगस्त की दरमियानी रात दुष्कर्म किया गया और उसकी हत्या कर दी गई। मृतका मेडिकल कॉलेज में चेस्ट मेडिसिन विभाग की स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष की छात्रा और प्रशिक्षु डॉक्टर थीं। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में महिला डॉक्टर के साथ दरिंदगी के मामले में पिछले एक महीने से जारी जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल अब खत्म होने वाली है। जानकारी के मुताबिक जूनियर डॉक्टर शनिवार से काम पर लौटेंगे, क्योंकि राज्य सरकार ने उनकी 15 मांगों में से 10 मांगें मान ली है। सुबह मेडिकल कॉलेज में चौथी मंजिल पर बने सेमिनार हॉल में डॉक्टर का अर्धनग्न अवस्था में शव मिला। शव के पास उसका मोबाइल और लैपटॉप बरामद किया गया। शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म की पुष्टि हुई।

मामले में पुलिस ने गिरफ्तार संजय रॉय पूछताछ शुरू की। इसमें सामने आया कि वह वारदात से पहले अपने स्वयंसेवक दोस्त के साथ रेड लाइट एरिया कालीघाट और सोवा बाजार गया था। इसके बाद दोनों आरजी कर मेडिकल कॉलेज में भर्ती जो नागरिक स्वयंसेवक के परिचित एक मरीज को देखने गए। आरोपी ने कहा कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज से निकलने के बाद वह फिर से रेड लाइट एरिया सोवा बाजार गया। इसके बाद उसने आरजी कर मेडिकल कॉलेज पहुंचकर जूनियर डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या की। देशभर में डॉक्टरों ने हड़ताल शुरू कर दी। स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह से प्रभावित रहीं। इस बीच आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल के प्रिंसिपल डॉ. संदीप घोष ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। पुलिस ने मृतक डॉक्टर के साथ डिनर करने वाले चार जूनियर डॉक्टरों को फिर से तलब किया। कोलकाता पुलिस ने एचओडी, असिस्टेंट सुपरवाइजर, पुरुष-महिला नर्स, ग्रुप-डी स्टाफ और सुरक्षाकर्मियों को भी कोलकाता पुलिस मुख्यालय लालबाजार में तलब किया।

तिरुपति के प्रसाद में फिश ऑयल के सैंपल मिले

-सीएम ने लगाया था जानवरों की चर्बी मिलाने का आरोप

नई दिल्ली(ईएमएस)। तिरुपति मंदिर के प्रसाद में फिश ऑयल मिलने की पुष्टि हुई है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने तिरुपति मंदिर के प्रसाद में घी की जगह जानवरों की चर्बी मिलाने का आरोप लगाया था। इसके बाद सैंपल जांच के लिए भेजे गए। अब जांच के बाद रिपोर्ट सामने आई है जिसमें फिश ऑयल मिलने की बात कही गई है। बुधवार को सीएम ने पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी पर आरोप लगाया था कि जगन राज में तिरुपति मंदिर के प्रसाद में घी की जगह जानवरों की चर्बी मिलाई गई।

एक कार्यक्रम के दौरान नायडू ने कहा था कि प्रसाद में घी की जगह जानवरों की चर्बी और घटिया क्वालिटी का सामान इस्तेमाल होता था। उन्होंने कहा कि हमने ये सुनिश्चित किया कि प्रसाद में असली घी, साफ-सफाई और अच्छी क्वालिटी का ध्यान रखा जाए।

जगन मोहन रेड्डी का पलटवार

सीएम नायडू के इस बयान पर जगन मोहन रेड्डी की पार्टी वायएसआरसीपी ने भी जवाब दिया। इसमें कहा गया कि चंद्रबाबू नायडू ने दिव्य मंदिर तिरुमाला की पवित्रता और करोड़ों हिंदुओं की आस्था को नुकसान पहुंचाकर बहुत बड़ा पाप किया है। चंद्रबाबू नायडू द्वारा तिरुमाला के प्रसाद पर की गई टिप्पणी बेहद घटिया है। मनुष्य जन्म में जन्मा कोई भी व्यक्ति ऐसे शब्द नहीं बोलता और न ही ऐसे आरोप लगाता है। एक बार फिर यह साबित हो गया है कि राजनीति के लिए चंद्रबाबू कुछ भी गलत करने से नहीं हिचकिचाएंगे।

बिहार में दबंगों ने दलितों के 80 घर जलाए

-आग में घर-मवेशी जले, जान की हानि नहीं

नवादा (ईएमएस)। बिहार के नवादा में दलित बस्ती में दबंगों ने बुधवार रात 8 बजे 80 घरों में आग लगा दी। आरोपियों ने फायरिंग भी की। लोगों के साथ मारपीट भी हुई। इसके बाद यहां तनाव बना हुआ है। गांव में हालात पर काबू पाने के लिए 5 थानों की पुलिस तैनात की गई है। 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस घटना की वजह जमीन विवाद बताया जा रहा है।

मामला नवादा जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के ददौर स्थित कृष्णा नगर दलित बस्ती का है। कई मवेशी भी जल गए। मौके पर दमकल विभाग की गाड़ियां पहुंचीं। कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया गया। हालांकि तब तक घर में रखे सामान जलकर राख हो गए। घर फूस और खपरैल के थे।

जमीन को लेकर विवाद, मामला कोर्ट में है

घटना की वजह भूमि विवाद है। गांव के एक बड़े भूखंड पर दलित परिवार रहते है। इसी भूखंड को लेकर दूसरे पक्ष से विवाद चल रहा है। इसकी सुनवाई कोर्ट में हो रही है। पीडित परिवारों का आरोप है कि बुधवार की देर शाम अचानक दबंगों ने हमला कर दिया। मारपीट की। घरों में आग लगा दी। फायरिंग भी की।

घर पर पेट्रोल छिड़क़कर लगाई आग

पीडित लक्ष्मीनिया देवी ने बताया कि हम लोग की बस्ती सरकारी जमीन पर है। नंदू पासवान इसे कब्जा करना चाहता है। वो अपने साथियों के साथ आया और इस घटना को अंजाम दिया। बहुत नुकसान हुआ है। वहीं भीम आर्मी के नेता विशाल चौधरी ने बताया कि बुधवार की शाम दबंगों ने 100 राउंड से ज्यादा फायरिंग की। उसके बाद घरों पर पेट्रोल डालकर उसमें आग लगा दी गई। 2 किमी दूर यहां से थाना है, उसके बाद भी ऐसी घटना को अंजाम दिया गया। आरोपियों को मंशा है कि इन्हें भगा कर जमीन पर कब्जा कर लिया जाएगा।

सरकारी कंपनी ने सरकारी बैंकों का नहीं चुकाया पैसा....खाते फ्री

केंद्र का करोड़ का पैकेज भी हो गया बर्बाद

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुनने और पढ़ने में आपको अजीब लग रहा हो, लेकिन यह सच है कि एक सरकारी कंपनी ने कई सरकारी बैंकों का लोन नहीं चुकाया। 2.5 माह में 4 डिफॉल्ट करने के बाद बैंकों ने उसके खाते एनपीए कर सभी पैसों को फ्रीज कर दिया। इस सरकारी कंपनी की यह दुर्गति तब हुई है, जबकि मोदी सरकार ने इन दोनों कंपनियों को बचाने के लिए साल 2019 से अब तक 3.22 लाख करोड़ रुपये का पैकेज दिया है।

दरअसल, बात कर रहे हैं सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) और भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) की। एमटीएनएल ने बताया कि ब्याज और किस्त का भुगतान न करने के कारण पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के साथ उसके ऋण खाते को इसी माह गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) घोषित किया गया है।

एमटीएनएल ने बताया कि इस संबंध में पीएनबी का 13 सितंबर, 2024 का पत्र संलग्न है, जिसके अनुसार विभिन्न खातों में बकाया राशि करीब 441 करोड़ रुपये है, जबकि 46 करोड़ रुपये से अधिक पिछला बकाया है। बता दें कि एमटीएनएल ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को 155.76 करोड़ रुपये, एसबीआई को 140.37 करोड़, बैंक ऑफ इंडिया को 40.33 करोड़, पंजाब एंड सिंध बैंक को 40.01 करोड़, पीएनबी को 41.54 करोड़ और यूको बैंक को 4.04 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया है।

एमटीएनएल के खातों को पहले भी सरकारी बैंकों ने फ्रीज कर दिया था। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने बीते 21 अगस्त को कंपनी के खातों को फ्रीज किया था, क्योंकि एमटीएनएल ने 400 करोड़ से ज्यादा का डिफॉल्ट कई बैंकों के साथ किया था।

बता दें कि एमटीएनएल पर करीब 1000 करोड़ रुपये का लोन बकाया है। इसके पहले कंपनी ने तमाम बैंकों से 5,573 करोड़ रुपये का लोन उठाया था। मोदी सरकार ने साल 2014 में एमटीएनएल को 'बीमारू' कंपनी बताया था। इसके बाद साल 2019 से अब तक 3 अलग-अलग राहत पैकेज के जरिये बीएसएनएल और एमटीएनएल को 3.22 लाख करोड़ का पैकेज जारी किया जा चुका है। बावजूद इसके दोनों कंपनियां लगातार घाटे में चल रही हैं और सिर्फ एमटीएनएल पर ही 4 सितंबर, 2024 तक 1,021.3 रुपये का लोन एनपीए चल रहा है।

अब रेलवे लाइन पर रखा गया बिजली का पोल, लोको पायलट ने हटाकर ट्रेन को किया रवाना

रामपुर (ईएमएस)। यूपी में एक के बाद एक कई घटनायें ऐसी हो चुकी हैं जिसमें रेलवे ट्रैक पर भारी वस्तुओं को रखकर ट्रेन पलटाने की कोशिश की गयी। अब सूबे के रामपुर जिले के बिलासपुर में रेलवे लाइन पर किसी शरारती तत्व ने लोहे का खंभा रख दिया, जिससे खलबली मच गई। काठगोदाम-देहरादून एक्सप्रेस ट्रेन के लोको पायलट ने रेलवे लाइन से खंभा हटाकर ट्रेन को गुजर गया। वहीं ट्रेन 20 मिनट लेट होकर रुद्रपुर रेलवे स्टेशन पर पहुंची। पुलिस अधीक्षक तथा जीआरपी पुलिस अधीक्षक ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण कर जायजा लिया।

प्राप्त विवरण के मुताबिक रुद्रपुर बॉर्डर से सिटी क्षेत्र की बलवंत एनक्लेव कालोनी के पीछे रेलवे लाइन पर खंभा संख्या 45/10 तथा 11 के बीच लोहे का भारी भरकम खंभा रखे होने पर खलबली मच गई। इस दौरान रुद्र बिलास चौकी प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि उन्हें इसकी जानकारी रुद्रपुर रेलवे स्टेशन से मिलने पर वह मौके पर पहुंच गए। बताया कि काठगोदाम देहरादून एक्सप्रेस गाड़ी संख्या 12091 देहरादून से वापस काठगोदाम जा रही थी। इसी बीच रेलवे लाइन पर बिजली का खंभा रखे होने से खलबली मच गई। इस दौरान ट्रेन के लोको पायलट ने ट्रेन को रोककर खंभे को रेलवे लाइन से हटकर ट्रेन को गंतव्य के लिए रवाना किया।

बताया गया कि बुधवार रात 9:45 पर एक्सप्रेस ट्रेन को रुद्रपुर रेलवे स्टेशन पहुंचना था। जबकि वह 10 मिनट देरी से चल रही थी। ट्रेन 1015 पर रेलवे स्टेशन रूद्रपुर उत्तराखंड पहुंची। तब जाकर ट्रेन के लोको पायलट ने स्टेशन अधीक्षक तथा जीआरपी पुलिस को मामले से अवगत कराने रेल कर्मियों तथा जीआरपी पुलिस में खलबली मच गई। सूचना पर स्थानीय पुलिस तथा जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंच गई। साथ ही सीओ रवि खोखर, प्रभारी निरीक्षक बलवान सिंह पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंच गए। वहीं पुलिस अधीक्षक विद्या किशोर मिश्र ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। साथ ही उन्होंने पुलिस कर्मियों को निर्देशित किया कि वह ऐसे शरारती तत्वों पर नजर रखें और उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करें। उधर सूचना पर जीआरपी पुलिस अधीक्षक ने भी मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। जीआरपी पुलिस को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

भारत में बने गोला-बारूद यूक्रेन को निर्यात किए जाने की खबर को विदेश मंत्रालय ने भ्रामक बताया

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय विदेश मंत्रालय ने उस मीडिया रिपोर्ट को खारिज कर दिया हैजिसमें कहा गया है कि भारत में बने गोला-बारूद यूक्रेन को निर्यात किए गए हैं, इसे लेकर रूस नाराज है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि यह रिपोर्ट अटकलों पर आधारित और भ्रामक है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत का सैन्य और दोहरे इस्तेमाल वाली वस्तुओं के निर्यात पर अंतरराष्ट्रीय दायित्वों के अनुपालन का एक बेदाग रिकॉर्ड रहा है। भारत अपने रक्षा निर्यातों को अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों को ध्यान में रखते हुए करता है। यह निर्यात अप्रसार और अपने मजबूत कानूनी और नियामक ढांचे के आधार पर किया जाता है। इसमें अंतिम उपयोगकर्ता के दायित्वों और प्रमाणपत्रों सहित प्रासंगिक मानदंडों का समग्र मूल्यांकन शामिल है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने आगे कहा कि भारत ने कभी रक्षा सौदों से जुड़ा ऐसा कोई कदम नहीं उठाया, जो नियमों का उल्लंघन करता हो। उन्होंने कहा कि भारत का सैन्य और दोहरे उपयोग वाली वस्तुओं के निर्यात पर अंतरराष्ट्रीय दायित्वों के पालन का एक बेदाग ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। भारत अपने रक्षा निर्यातों को अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों को ध्यान में रखते हुए करता है।

पीएम मोदी को मिले तोहफों की ई-नीलामी शुरू

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री मोदी को मिलने वाले मेमेंटो और गिफ्ट आइटम की ई-नीलामी की शुरुआत 17 सितंबर से हो गई है। इसकी घोषणा गुरुवार को पीएम ने की। छह साल में पहली बार सबसे कम 600 आइटम्स की नीलामी होगी। इनका बेस प्राइस 600 रुपए से लेकर करीब 10 लाख रुपए तक है।

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि आपको जो मेमेंटो और गिफ्ट आइटम पसंद आएं, उसे जरूर खरीदें। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भी कहा कि यह नीलामी 2 अक्टूबर तक चलेगी। ये इतिहास को संरक्षित रखने के साथ ही लोगों के भलाई में भी योगदान देती है।

काशी विश्वनाथ मंदिर में लगी आग

वाराणसी(ईएमएस)। वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर में मंगला आरती के दौरान परकोटे में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। मंदिर के गर्भगृह के पूर्वी गेट का ऊपरी हिस्सा जलने लगा, जिससे श्रद्धालुओं में अफरातफरी मच गई। सूचना मिलते ही मंदिर की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। उन्होंने आग बुझाने का प्रयास किया और वायरलेस से कंट्रोम रूम को सूचना दी। इसके बाद मंदिर परिसर की लाइट काट दी गई। मंदिर परिसर में तैनात फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया। आग लगने के चलते श्रद्धालुओं के दर्शन बंद करा दिए गए। 1 घंटे तक बाबा के दर्शन नहीं हो सके।

आतिशी समेत कैबिनेट का शपथ ग्रहण कल

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली की मुख्यमंत्री चुनी गईं आतिशी 21 सितंबर को पद की शपथ लेंगी। आतिशी अपनी कैबिनेट के साथ शपथ लेंगी। कैबिनेट में मुकेश अहलावत नया चेहरा होंगे। आप ने बताया कि मुकेश, सामाजिक न्याय मंत्री राजकुमार आनंद की जगह लेंगे। अहलावत दिल्ली की सुल्तानपुर माजरा सीट से विधायक हैं। वे आम आदमी पार्टी का दलित चेहरा हैं।

दिल्ली सरकार की कैबिनेट में मुख्यमंत्री समेत सात सदस्य हैं। नए मुख्यमंत्री और नए सदस्यों का कार्यकाल छोटा होगा, क्योंकि मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल फरवरी 2025 तक है। कैबिनेट में गोपाल राय, कैलाश गहलोत, सौरभ भारद्वाज और इमरान हुसैन मंत्री पद पर बरकरार रहेंगे। सातवें सदस्य के नाम की घोषणा अभी नहीं की गई है। अरविंद केजरीवाल ने 17 सितंबर को विधायक दल की बैठक में आतिशी के नाम का प्रस्ताव रखा था। इसके बाद उन्हें मुख्यमंत्री चुना गया।

लेबनान में जिन पेजर्स में धमाके हुए उनका निर्माण ताइवान नहीं बुडापेस्ट में हुआ

ताइपे(ईएमएस)। ताइवान की कंपनी गोल्ड अपोलो ने कहा है कि लेबनान में जिन पेजर्स में धमाके हुए उनका निर्माण ताइवान में नहीं बल्कि बुडापेस्ट की एक कंपनी द्वारा किया गया। मंगलवार को लेबनान में जिस कंपनी के पेजर्स में धमाके हुए उसके पास गोल्ड अपोलो के नाम से उत्पादों का निर्माण करने का लाइसेंस है । गोल्ड अपोलो के संस्थापक और अध्यक्ष चिंग-कुआंग ने ताइपे में मीडिया से बात करते हुए कहा कि जिन पेजर्स में धमाके हुए हैं, उनका निर्माण हमारे द्वारा नहीं किया गया है, ब्लकि उन पर सिर्फ हमारा ब्रांड नाम था ।

बच्चों से लगवाए राष्ट्रविरोधी नारे, गुस्साए लोगों ने मौलाना को पीटा

भीलवाड़ा(ईएमएस)। राजस्थान के भीलवाड़ा में मांडलगढ़ थनात क्षेत्र के महुआ गांव में बीती देर रात समुदाय विशेष के मौलाना ने बच्चों से राष्ट्र विरोधी नारे लगवाए। लोगों ने जब ये विवादित नारे सुने तो मौलाना की पिटाई कर दी। इधर, आक्रोशित लोगों ने केबिनों में आग लगा दी। घटना से गांव में माहौल गरमा गया।

जानकारी के अनुसार, यह मौलाना उत्तर प्रदेश का बताया जा रहा है। लोगों को कहना है कि जब से ये महुआ गांव में आया है, तब से गांव का माहौल खराब किया हुआ है। बुधवार को मौलाना कुछ बच्चों को ट्रैक्टर से महुआ गांव की तरफ ला रहा था। इसी दौरान रास्ते में वह बच्चों से राष्ट्र विरोधी नारे लगवा रहा था। महुआ में राष्ट्र विरोधी नारे लगने की जानकारी होने ग्रामीण आक्रोशित हो गए। उन्होंने मौलाना को पकड़ लिया और गांव की चौपाल पर ले आए। यहां पर ग्रामीणों ने उसकी जमकर धुनाई की। ग्रामीणों ने दूसरे पक्ष के लोगों को भी मौके पर बुला लिया। इसके बाद दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए। इस घटना के बाद गांव में माहौल गरमा गया। गुस्साए लोगों ने आगजनी की। इसके बाद पुलिस को घटना की जानकारी दी।

सीआरपीएफ की कैंटीन में मणिपुर के लोगों को सामान मिलेगा

30 से 40 प्रतिशत डिस्काउंट रहेगा, 21 भंडार के अलावा 16 आउटलेट भी खोले

इंफाल(ईएमएस)। हिंसा से जूझ रहे मणिपुर की राजधानी इंफाल में आम लोगों को सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स की कैंटीन से सामान मिलने लगा। कैंटीन में सामान पर 30 से 40 प्रतिशत डिस्काउंट भी होगा। यहां सीआरपीएफ के 21 भंडार पहले से थे, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्लान पर 16 आउटलेट और खोले गए हैं। जरूरत का सामान खरीदने के लिए लांगजिंग इलाके की सीआरपीएफ कैंटीन में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।

कैंटीन पर पहुंचे स्थानीय व्यक्ति ने कहा कि यहां चीजें बहुत सस्ते दाम पर मिल रही है। मार्केट से सामान खरीदने में कठिनाई आ रही थी, क्योंकि सडक्रें ब्लाक है, साथ ही सामान महंगा भी है। वहां जाने में रिस्क भी है। सीआरपीएफ कैंटीन में सामान सस्ता भी है और यहां सुरक्षा की गारंटी भी है।

जनता के लिए साढ़े चार घंटे खुलेगा स्टोर

सीआरपीएफ कैंटीन में आम लोगों के लिए सुबह 9.30 से दोपहर 1 बजे तक सामान दिया जाएगा। हफ्ते में चार दिन- सोमवार, मंगलवार, बुधवार और शुक्रवार को यह सुविधा मुहैया रहेगी। गुरुवार, शनिवार और रविवार को ये स्टोर आम लोगों के लिए बंद रहेंगे। सीआरपीएफ के आईजी विपुल कुमार ने बताया कि मिनिस्टरी ऑफ होम अफेयर्स की गाइडलाइन के तहत हमारे सभी ऑफिसर काम पर हैं। वह यह देख रहें हैं कि स्टोर में सभी सामान उपलब्ध हो। घाटी के जिलों में 16 और पहाड़ी जिलों में 8 स्टोर खोले गए हैं।

हिंसा के बाद से अब तक 6,523 एफआईआर दर्ज हुई

मणिपुर में हिंसा की वजह से 120 से ज्यादा गांव, 3,500 घर, 220 चर्च, और 15 मंदिर जल गए। हिंसा के चलते स्कूल और खेत भी बर्बाद हो गए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- मणिपुर में कानून-व्यवस्था बिल्कुल ध्वस्त हो चुकी है। राज्य में जातीय हिंसा के दौरान करीब तीन महीने तक एफआईआर ही दर्ज नहीं की गई। मणिपुर में महिलाओं के साथ बर्बर बर्ताव के शर्मनाक वीडियो भी जारी हुए थे। स्नाइपर से सब इंस्पेक्टर की हत्या हो गई थी। मणिपुर के मुख्यमंत्री ने एडिटर्स गिल्ड के खिलाफ एफआईआर कराई थी।

बिहार की जेलों में ताबड़तोड़ छापेमारी

पटना (ईएमएस)। बिहार की जेलों में फिर एकबार ताबड़तोड़ छापेमारी की गयी। पूर्णिया सेंट्रल जेल में डीएम व एसपी ने छापेमारी की। बड़ी संख्या में पुलिस बलों के साथ अधिकारियों ने दबिश डाली जिससे जेल के अंदर हड़कंप मच गया।यह छापेमारी अचानक की गयी। पूर्णिया के डीएम और एसपी इस दौरान मौजूद रहे। जेल के सभी वार्डों को खंगाला गया और तलाशी ली गयी। वहीं लखीसराय मंडल कारा व भागलपुर जेल में भी छापेमारी की गयी। छापेमारी करने वाली टीम में महिला पुलिसकर्मी भी बड़ी संख्या में शामिल थीं।

पटना की बेऊर जेल, मसौढ़ी जेल, फुलवारी जेल, दानापुर जेल, व पटना सिटी सहित कई जेलों में एक साथ छापेमारी शुरू की गयी। बता दें कि गृह विभाग के आदेश पर यह छापेमारी की गयी है। सभी सेल को खंगाल गया है। छापेमारी के दौरान मजिस्ट्रेट व भारी संख्या में पुलिस फोर्स को तैनात किया गया।

चुनावी सभा में प्रधानमंत्री ने कहा- 25 सितंबर को सारे रिकॉर्ड टूटने चाहिए

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलाएंगे

श्रीनगर(ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में कहा कि हमने देश की संसद में कहा है कि जम्मू-कश्मीर को दोबारा राज्य का दर्जा दिलाएंगे। भाजपा ही इसे पूरा करेगी। इसलिए मेरी आपसे अपील है कि 25 सितंबर को वोटिंग के सारे रिकॉर्ड टूटने चाहिए। इसके पहले उन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी और कांग्रेस को लेकर कहा कि इन तीन खानदानों ने अपनी सियासी दुकान चलाने के लिए दशकों तक घाटी में नफरत का सामान बेचा है। इनके कारण ही यहां के युवा तरक्की नहीं कर पाए।

पीएम ने कहा कि चुनाव में पहले फेज में इतनी बड़ी तादाद में वोटिंग हुई। ये खुशी की बात है कि दहशतगर्दी खत्म हुई और चुनाव के लिए लोग इतनी बड़ी तादाद में घर से बाहर निकले। ये नया इतिहास बना है। आपने ये इतिहास रचा है। दुनिया देख रही है कि कैसे जम्मू-कश्मीर के लोग भारत के लोकतंत्र को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली से लेकर जम्मू-कश्मीर तक ये लोग बौखलाए हुए हैं। इन्हें लगता है, जैसे-तैसे कुर्सी पर कब्जा जमाना और फिर आपको लूटना, ये इनका पैदायशी हक है। जम्मू-कश्मीर की आवाम को उनके जायज हक से महरूम रखना ही इनका सियासी एजेंडा रहा है। इन्होंने सिर्फ डर और अराजकता ही दी है। अब कोई इनके शिकंजे में रहने वाला नहीं है।

युवा पढ़ाई-लिखाई से मेहरूम रह गए

प्रधानमंत्री ने कहा कि जिन नौजवानों को आगे नहीं बढने दिया। वे इनके खिलाफ मैदान में उतर आए हैं युवा। आज वादी का जो नौजवान 20-25 साल का है, उनमें से कई पढ़ाई-लिखाई से मेहरूम रह गए हैं। कई ऐसे हैं, जिन्हें 10वीं-12वीं या कॉलेज तक पहुंचने में देश के बाकी बच्चों से ज्यादा साल लगे हैं। ये इसलिए हुआ क्योंकि कांग्रेस एनसी और पीडीपी के तीन खानदान फेल हुए हैं। पीएम ने कहा कि इन्होंने अपनी सियासी दुकान चलाने के लिए दशकों तक नफरत का सामान बेचा है। आप वो वक्त याद रखिए, जो स्कूल कॉलेज बच गए, वहां कई-कई सालों तक पढ़ाई नही हो पाती थी। ये तीन खानदान उनके हाथों में पत्थर थमा कर खुश रहते थे।

ख्वाजा आसिफ के बयान पर उमर और फारूक अब्दुल्ला भड़के....पाकिस्तान को क्या मतलब हमारे चुनाव से

जम्मू (ईएमएस)। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने कथित तौर पर अनुच्छेद 370 पर कांग्रेस-एनसी गठबंधन के रुख का समर्थन किया। उनका बयान तब आया है जब जम्मू-कश्मीर में 10 साल के बाद विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री के बयान को लेकर भाजपा कांग्रेस-एनसी गठबंधन पर हमलावर है। वहीं, नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता और उम्मीदवार उमर अब्दुल्ला का भी बयान सामने आया है। उमर ने साफ तौर पर कहा कि पाकिस्तान को पहले अपने भीतर देखने की जरूरत है।

अब्दुल्ला ने कहा कि पाकिस्तान का हमसे क्या लेना-देना? हम पाकिस्तान का हिस्सा भी नहीं हैं, उन्हें अपने देश का ख्याल रखने दीजिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पिछले 5 सालों में बीजेपी के पास दिखाने के लिए कुछ नहीं है। मुझे नहीं पता कि पीएम मोदी ने श्रीनगर में क्या कहा, लेकिन मैं गारंटी के साथ कह सकता हूं कि उन्होंने तीन परिवारों पर बात की होगी, लेकिन यह नहीं कि पिछले 5-6 साल जम्मू-कश्मीर में कैसे बर्बाद हुए हैं।

उन्होंने कहा कि आखिरी बार पीएम मोदी ने संसद में किसी सवाल का जवाब कब दिया था? हम जीतने के बाद हर सवाल का जवाब देने वाले लोग हैं, हम कहीं छिपते नहीं हैं।

दरअसल पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के बयान के बाद जेकेएनसी के अध्यक्ष और पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। फारुक अब्दुल्ला ने कहा मुझे नहीं पता कि पाकिस्तान क्या कहता है। मैं पाकिस्तानी नहीं हूं, मैं एक भारतीय नागरिक हूं। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों पर 8 अक्टूबर तक प्रतीक्षा करें, सब कुछ साफ होगा।

केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू पर एफआईआर

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर दिए गए बयान पर केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। राहुल गांधी ने अमेरिका दौरे पर सिखों को लेकर बयान दिया था, जिस पर रवनीत बिट्टू ने उन्हें आतंकी बता दिया था। इसे लेकर खूब हंगामा हुआ और कर्नाटक में रवनीत बिट्टू के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। कर्नाटक के एक कांग्रेस पदाधिकारी ने केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय राज्य मंत्री के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 353 (गलत सूचना के आधार पर बयान देना या अफवाह फैलाना), 192 (दंगे कराने के मकसद से भडकाऊ बयान देना), 196 (दो समुदायों के बीच वैमनस्यता फैलाने) के तहत बंगलूरू के हाई ग्राउंड पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

भाजपा विधायक के खिलाफ रेप केस दर्ज

बेंगलुरु(ईएमएस)। कर्नाटक के राजराजेश्वरी नगर से भाजपा विधायक मुनिरत्न के खिलाफ रेप का केस दर्ज किया गया। पुलिस के मुताबिक, घटना एक पर्सनल रिसॉर्ट में हुई। विधायक सहित 7 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। मुनिरत्न पहले से न्यायिक हिरासत में हैं। उन पर एक कॉन्ट्रैक्टर को धमकाने, गाली देने और मारपीट करने का आरोप है। पुलिस ने मुनिरत्न को 14 सितंबर को अरेस्ट किया था। वह 30 सितंबर तक ज्यूडिशियल कस्टडी में हैं। भाजपा विधायक मुनिरत्न पर एक दलित कांट्रैक्टर चेल्वाराजू को जान से मारने की धमकी देने, जातिसूचक अपशब्द कहने

जन हितैषी

पत्रचार के इस दौर में कोई पिछड़ तो नहीं रहा

एक समय था जब पत्राचार कुशलक्षेम जानने से लेकर प्रेम और स्नेह को जतलाने के लिए किया जाता था। इससे पहले राजा-महाराजाओं के समय में संधी या युद्ध की धमकी के लिए पत्रों का अदान-प्रदान होता था। खास बात यह है कि तब पत्र जिसे लिखा जाता था वही पत्र का जवाब देता था, भले ही वह पढ़ा-लिखा हो या न हो। अब चूंकि दुनियां अत्याधुनिक दौर में प्रवेश कर चुकी है। अब कागज व कलम-दवात की जगह इंटरनेट के साथ ही कंम्प्यूटर, लेपटॉप व मोबाईल जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से संदेशों का अदान-प्रदान ज्यादा होने लगा है। ऐसे में समय की बचत के साथ ही पत्र सही जगह पहुंचेगा या नहीं इसकी समस्या भी अब जाती रही है। बावजूद इसके राजनीतिक गलियारे में पत्रवार या पत्रों की सियासी जंग जारी है। इस पत्रवार में एक बात जरुर देखने को मिल रही है कि जिसे पत्र लिखा जाता है, वह जवाब दे या न दे, लेकिन दूसरे लोग उसके जवाब में लंबा-चौड़ा पत्र लिखकर सामने वाले को पस्त करने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रख रहे हैं। यकीन नहीं आता तो कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे गए पत्र के जवाब में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के पत्र को ही देख लें। वैसे भी भारतीय राजनीति उस दौर में है जहां भाषा और सुचिता का कोई मेल ही नहीं है। जिसके जो मर्जी आता है बोल देता है। इससे लोकतंत्र भी आहत होता है। ऐसी भाषा जो दूसरों को आहत करे, लोगों को मरने-मारने पर उतारु कर दे, इसका अहिंसावादी देश भारत में क्या काम हो सकता है? लेकिन ऐसी भाषा का इस्तेमाल सियासी गलियारे में खूब हो रहा है। जिसे रोकने की जिम्मेदारी सत्ता पक्ष और विपक्ष के शीर्ष नेतृत्व की है। इससे इंकार नहीं किया जा सकता, लेकिन देखने में आ रहा है कि इसे रोकना तो दूर बढ़ाने के प्रयास ज्यादा हो रहे हैं।

दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जो पत्र लिखा उसमें उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को एनडीए नेताओं के द्वारा आतंकवादी कहे जाने पर आपत्ति दर्ज कराते हुए इस तरह के बयानों पर लगाम लगाए जाने की बात कही। पत्र में उन्होंने लिखा कि, मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ध्यान एनडीए नेताओं द्वारा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ की गई असभ्य टिप्पणियों की ओर आकर्षित करना चाहता हूं...। मैं आपसे आग्रह करता हूं कि अनुशासन और शिष्टाचार के जरिए ऐसे नेताओं पर लगाम लगाएं...ऐसे बयानों के लिए सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि भारत की राजनीति को पतन की ओर जाने से रोका जा सके। कांग्रेस अध्यक्ष ने अपने पत्र की भाषा को संयमित रखा। पर इससे क्या, क्योंकि उन नेताओं को बोलने का अवसर तो मिल ही गया, जो हर मुद्दे पर अपनी राय रख कर देश और दुनियां का ध्यान अपनी ओर खींचना चाहते हैं, ताकि उनकी राजनीति किसी भी कीमत पर चमकती रहे। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के पत्र का जवाब प्रधानमंत्री ने फिलहाल तो नहीं दिया, लेकिन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक लंबा पत्र बतौर जवाब लिखा और सख्त लहजे में बतला दिया कि कांग्रेस और उसके नेता यथार्थ और सत्य से कोसों दूर हैं। पत्र के जवाब में सवाल करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने पूछा कि क्या आप राहुल गांधी की करतूत भूल गए? राहुल गांधी जाति जनगणना और आरक्षण के नाम पर भड़का रहे हैं। यही नहीं राहुल गांधी ने कई बार पीएम मोदी का अपमान किया। सोनिया गांधी ने तो पीएम को मौत का सौदागर कहा था। नड्डा ने पत्र में कहा है कि कांग्रेस ने कई बार पीएम का अपमान किया है। कांग्रेस ने देश को शर्मसार किया है।

बात इतनी सी है कि भूतपूर्व नेताओं और वर्तमान नेताओं को अपशब्द कहने से बचा जाना चाहिए, फिर चाहे वह सत्ता पक्ष हो या विपक्ष। पर सभी जानते हैं कि ऐसा करना मुमकिन नहीं है। दरअसल इस कलयुग की राजनीति रसातल की ओर जा रही है। जहां चुनाव जीतना मुख्य लक्ष्य है। इसके लिए तमाम लोकतांत्रिक मूल्य और लाज-शर्म ताक पर रख मैदान मार लेना ही वीरता की निशानी मानी जाती है। आज की राजनीति साम, दाम, दंड-भेद से आगे बढ़ चुकी है, जहां सब जायज है, बशर्ते जीत तय हो। ऐसे में पत्रवार होना कोई बड़ी बात तो नहीं है। बावजूद इसके कहना तो यही है कि पत्रवार नहीं बल्कि स्वस्थ पत्राचार होना चाहिए, जिससे देश की अन्य मूल-भूत और संकट पैदा करने वाली बड़ी समस्याओं का निदान निकल सके। भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए समृद्धि आवश्यक है और यह तभी संभव है, जबकि अनेकता में एकता फलिभूत हो। जिस प्रकार बड़ी लाइन को मिटाकर छोटी लाइन को बड़ा नहीं किया जा सकता, ठीक उसी प्रकार किसी के चरित्र का हनन करके अपने दागदार दामन को उजला नहीं किया जा सकता है। यह समझने वाली बात है कि जब दूसरे पर आप एक अंगुली उठाते हैं तो बाकी उंगलियां आपकी अपनी ओर हो जाती हैं। मतलब साफ है कि ऐसे तमाम बयानों और भाषणों पर रोक लगना चाहिए जिससे किसी का चिरहरण होता हो और कब्र खोदने की बातें की जाती हों, क्योंकि हिंसा तो हिंसा होती है, फिर चाहे वह शारीरिक तौर पर की गई हो या जुबानी या पत्र लिखकर की जा रही हो। लोकतंत्र में इसे किंचित भी प्रवेश नहीं मिलना चाहिए। अंततः इस पत्रवार को यहीं रोकें और पत्राचार से समस्या का समाधान निकालें, जिसकी देश को दरकार है।

खत्म होती नदियों की अविरलता

नदियों का शोषण एक खतरनाक स्तर तक कर चुके हैं। हमारी नदियाँ अपना मूल रूप खो चुकी हैं और बुरी तरह से अस्त-व्यस्त दशा में हैं। सिंचाई और हाइड्रोपावर के लिए बांध बने हैं, पानी को मनचाही दिशा में ले जाने के लिए बैराज बनाए गए हैं। फरक्का बराज के दुष्परिणाम को देख चुके हैं। फिर भी बिहार सरकार चेत नहीं रही है।

बिहार सरकार कोई भी बराज बनाने से पहले फरक्का बराज के दुष्परिणामों से सीख ले। गंगा मुक्ति आंदोलन के प्रमुख अनिल प्रकाश ने बिहार की नदियों पर इन बराजों के निर्माण पर आपत्ति जतायी है और कहा है कि – बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सात नदियों पर बराज बनाने की हड़बडी करनें से पहले गंगा पर बने फरक्का बराज से उत्पन्न विनाशकारी बाढ़, कटाव,जल जमाव, भूमियों के उसर होने, मछलियों के अकाल आदि भीषण स्थितियों का वैज्ञानिक आंकलन अवश्य करा लेना चाहिए।सरकार के बिहार की नदियों पर बराज बनाने फैसले से व्यापक आंदोलन की तैयारी आरंभ हो गयी है। इस फैसले के विरोध में बिहार, बंगाल और उत्तरप्रदेश में प्रथम चरण में हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा। इसके उपरांत साथी संगठनों की बैठक कर आंदोलन की अगली रणनीति तय की जाएगी।अब तो मुजफ्फरपुर यानी तिरहुत में नारा गूंजने लगा है बागमती की धारा पर तटबंध बनाने आये हो, विश्वबैंक से कर्जा उठाकर हमें डूबाने आये हो।दरअसल में नेपाल में होने वाली बारिश से बिहार में होने वाली तबाही को रोकने के लिए बिहार सरकार ने चार बराज बनाने का निर्णय लिया है। ऐसे में फरक्का बैराज के निर्माण में दिखाई गई अदूरदर्शिता को एक सीख की तरह देखा जाना चाहिए। बिहार के जल संसाधन विभाग के मंत्री विजय चौधरी के अनुसार नेपाल में हाई डैम बनने का प्रस्ताव कई सालों से है, लेकिन वहां फिलहाल हाई डैम बनने की उम्मीद नहीं दिख रही है।कारण नेपाल में हाई डैम का मामला इसलिए अटका पड़ा है। कोई भी जल संधि तभी लागू की जाएगी जबतक कि वहां की संसद दो तिहाई बहुमत से मामले के पारित न कर दे।

नेपाल के संसद के पेंच के कारण बिहार सरकार को बराज बनाने का फैसला लेना पड़ा। लिए गए फैसले के तहत नेपाल से आने वाली चार नदियों में चार जगह पर बराज बनाए जाएंगे।

यह बराज कोसी नदी पर डगमारा में, गंडक नदी पर अरेराज में, महानंदा नदी पर मसान में और बागमती नदी पर डिंग में बराज बनाया जाएगा। डीपीआर तैयार किया जा रहा है। बाढ़ नियंत्रण को लेकर केंद्र सरकार ने बड़ी राशि दी है और हम लोग सोच रहे हैं कि नेपाल से आने वाले बाढ़ के पानी से जो नुकसान होता है उसे रोकने के लिए इन चार जगह पर बड़े बराज बनाया जाएं, जिससे कि बाढ़ के पानी को नियंत्रित किया जा सकता है। इसके लिए विश्व बैंक से 4400 करोड़ रुपये की सहायता ली जा रही है। यह डीपीआर मार्च 2025 तक पूरा हो जाएगा।

नेपाल सरकार से भारत सरकार की कई बार हाई डैम बनाने को लेकर बातचीत हुई है वर्ष 2004 में वहां संयुक्त रूप से विराटनगर में कार्यालय भी खोले गए हैं, लेकिन जहां भी सर्वे करने जाती है लोग हंगामा करने लगते हैं। यही कारण है कि नेपाल में हाई डैम बनाना मुश्किल हो रहा है। यही सोचकर बिहार सरकार ने अब बिहार में ही नेपाल से आने वाली चार नदियों पर बराज बनाने का निर्णय लिया है। केंद्र सरकार ने हाल ही में बिहार के लिए प्रत्येक वर्ष आने वाली बाढ़ से संबंधित आपदाओं से निपटने के लिए 11,500 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की है।

केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल में भारत ने नेपाल में कोसी, बागमती और कमला नदी पर उच्च-स्तरीय बांध बनाने और संबंधित डीपीआर तैयार करने के लिए 2004 में विराटनगर (नेपाल) में एक संयुक्त परियोजना कार्यालय स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की थी।

विशेषज्ञों का मानना है कि बिहार के बाढ़ को लेकर एक वैज्ञानिक ढंग से व्यापक अध्ययन की आवश्यकता है उसके बाद नदी जोड़ योजना का काम हो या फिर बराज बनाने का काम हो।

विकास योजनाएं बनाते समय उसके सामाजिक-आर्थिक और पर्यावरणीय दुष्परिणामों को नज़रअंदाज़ करने का क्या नतीजा हो सकता है, इसे समझने के लिए फरक्का बैराज को एक मॉडल के रूप में देखा जाना चाहिए।

फरक्का बैराज 1975 में बनकर तैयार हुआ। मकसद था कि इसके जरिए 40 हजार क्यूसेक पानी का रुख बदल दिया जाये, ताकि कोलकोता बंदरगाह बाढ़ से बच सके। यह अनुमान करते नदी में आने वाले तलछट का अनुमान नहीं किया गया।परिणामस्वरूप,आवश्यकतानुरूप मात्रा में पानी का रुख नहीं बदला जा सका। दुष्परिणाम आज सामने है। बैराज का जलाशय तलछट से ऊपर तक भरा है। पीछे से आनी वाली विशाल जलराशि पलटकर साल में कई-कई बार विनाश लाती है। ऊंची भूमि भी डूब का शिकार होने को विवश है। हजारों वर्ग किलोमीटर की फसल इससे नष्ट हो जाती हैं। फरक्का बैराज के बनने के बाद से समुद्र से चलकर धारा के विपरीत ऊपर की ओर आने वाली ढाई हजार रुपये प्रति किलो मूल्य वाली कीमती हिल्सा मछली की बडी मात्रा से हम हर साल खो रहे हैं, सो अलग। नदी किनारे की गरीब-गुरबा आबादी फरक्का को अपना दुर्भाग्य मानकर हर रोज कोसती है। फरक्का बराज के बनने के बाद से बिहार में बाढ़ की आपदा बढ़ी है।

मगर जानकार यह भी मानते हैं कि बिहार में बाढ़ को नियंत्रित करने वाली तटबंध आधारित नीति ने भी बाढ़ के संकट को बढ़ाने का काम किया है। उत्तर बिहार की नदियों के जानकार दिनेश कुमार मिश्र के अनुसार आजादी के वक्त जब राज्य में तटबंधों की कुल लंबाई 160 किमी थी तब राज्य का सिर्फ 25 लाख हेक्टेयर क्षेत्र बाढ़ पीड़ित था। अब जब तटबंधों की लंबाई 3760 किमी हो गयी है तो राज्य की लगभग तीन चौथाई जमीन यानी 72.95 लाख हेक्टेयर भूमि बाढ़ प्रभावित है। यानी जैसे-जैसे तटबंध बढ़े बिहार में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रफल भी बढ़ता चला गया।

सरकार का भी रवैया विचित्र है। एक ओर तो बिहार की बाढ़ के लिए फरक्का बराज को जिम्मेदार ठहराते हैं, तो दूसरी तरफ नए की वकालत भी करते हैं। अनिल प्रकाश के अनुसार फरक्का बराज के अनुभवों से ही समझ लेना चाहिए था कि नदियों को रोककर बाढ़ का मुकाबला नहीं किया जा सकता।

1870-75 से पहले बिहार में बाढ़ का जिक्र नहीं मिलता था। जबसे यहां रेलवे की शुरुआत हुई और नदियों के स्वतंत्र बहाव में बाधा उत्पन्न होने लगी बाढ़ की समस्या सामने आने लगी। इसके बावजूद उत्तर बिहार में नदियों का अपना बेहतरीन तंत्र विकसित था। बड़ी नदियां, छोटी नदियों और चौरों से जुड़ी थीं और पूरे इलाके में पोखरों का जाल बिछा था। जब बारिश के दिनों में बड़ी नदियों में अधिक पानी होता था तो वह अपना अतिरिक्त पानी छोटी नदियों, चौरों और तालाबों में बांट देती थीं। इससे बाढ़ की समस्या नहीं होती थी। फिर जब गर्मियों में बड़ी नदियों में पानी घटने लगता तो छोटी नदियां और चौर इन्हें अपना पानी वापस कर देतीं। इससे ये नदियां सदानीरा बनी रहतीं।

बिहार की 76ज्ञ आबादी और राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 73ज्ञ हिस्सा बाढ़ से प्रभावित है। वहीं आंकड़े यह भी बताते हैं कि देश के कुल बाढ़ पीड़ित क्षेत्र का 16.5ज्ञ बिहार में पड़ता है और कुल बाढ़ पीड़ित आबादी का 22.1ज्ञ इसी राज्य के लोग हैं।

ए एन सिन्हा इंस्टीच्यूट के विशेषज्ञ डॉ विद्यार्थी विकास का बिहार में तटबंध का निर्माण पिछले 50 सालों में लगातार बढ़ता जा रहा है और बाढ़ का इलाका भी उसी तरह से बढ़ता जा रहा है। पहले 25 लाख हेक्टेयर बाढ़ प्रभावित इलाका था लेकिन आज 70 लाख हेक्टेयर से अधिक इलाका बाढ़ प्रभावित है।

1960 और 70 के दशक में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे अधिक बांधों का निर्माण हुआ। लेकिन हाल के वर्षों में बांधों के निर्माण की वैश्विक स्तर पर आलोचना हो रही है।इसी परिप्रेक्ष्य में नदियों की पंचायत बिहार शोध संवाद द्वारा मुक्तिधाम, सिकन्दरपुर (बूढी गण्डक) नदी के तट पर, मुजफ्फरपुर में प्रीति कुमारी के अध्यक्षता में की गई। नदियों की पंचायत में अक्टूबर में 10 जिलों से सक्रिय नदी समस्याओं के चिंतकों एवं सक्रिय कर्मियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने का फैसला लिया गया जिसमें युवाओं एवं महिलाओं की अधिक संख्या में भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।विभिन्न संगठनों के लोगों द्वारा नदी मुक्ति आभियान की शुरुआत की गई। नदियों की समस्याओं एवं निराकरण को लेकर पुस्तक का प्रकाशन अविलंब करने का निर्णय लिया गया। प्रीति कुमारी का कहना था कि बागमती, गंडक, बूढ़ी गंडक,लखनदेई, अधवारा समूह की नदियों, करेह, नून आदि नदियां अपनी जालनुमा उपस्थिति से जन जीवन को सदियों से सुखमय बनाती रही हैं लेकिन विकास के नाम पर बन रहे तटबन्धों,बराजों, फैक्ट्रियों, मिलों और थर्मलपावर स्टेशनों से बह रहे जहरीले, काले, पीले जहरीले कचरे के कारण हमारी जीवनदायी नदियों का दम घुट रहा है। नदियों पर जीनेवाले नाविक, मल्लाह, किसान, सब्जी उगानेवाले,भैंस पालकर, बैल पालकर सुख से जीने वाले करोड़ों स्त्री पुरुषों आजीविका और सांस्कृतिक जीवन बड़े गम्भीर संकट में है। नरेश सहनी के अनुसार गंगा एवं उससे जुडी तमाम नदियों को बड़ी बड़ी देशी विदेशी कम्पनियों के हाथ मे सौंपने की शुरुआत हो चुकी है। सोंस को बचाने के नाम पर मल्लाहों को नदियों से खदेड़ने की चाल चली जा रही है। नदियों के किनारे के सौंदर्यीकरण के बहाने किसानों की बेशकीमती जमीनों पर भी लुटेरी कम्पनियों की बुरी नजर है। इन्ही सवालों को लेकर यह नदी पंचायत बुलाई गई है। गंगा मुक्ति आंदोलन के प्रणेता पर्यावरणविद , सामाजिक चिंतक अनिल प्रकाश ने बताते हैं कि यह नदी पंचायत नदी मुक्ति आभियान की शुरुआत है। कठपुतली कलाकार सुनील सरला ने नदियों को अविरल बहने द्व्ष्ठ.द्धद्रब्ह्ल्ल को निर्मल रहने दो, गंगा गंगा रटैत रहली, गंगा हथीन जलवा के रानी गंगा पूजे चलू हे सखी गीत के साथ सुनील सरला ने कठपुतली के माध्यम से नदी और पर्यावरण के दर्द को बताया। नदी पंचायत में नरेश सहनी , राजेंद्र पटेल, संगीता सुभाषिनी, रामबाबू जितेंद्र यादव ,चंदेश्वर राम, अनिल कुमार अनल ,सुनील सरला,मीडिया सलाहकार, प्रोफेसर विजय कुमार जायसवाल,राम बाबू,राजेन्द्र पटेल, डॉक्टर हरेन्द्र कुमार, चन्देश्वर राम, नीरज, राम लखेंद्र यादव,डॉक्टर उमेश चन्द्र, ठाकुर देवेंद्र सिंह, जितेंद्र यादव, नवल सिंह, जगन्नाथ पासवान, मोनाज़िर हसन, अनिल गुप्ता, जयचंद्र कुमार,बसंत लाल राम, कृष्णा प्रसाद,सोनपुर, पंकज कुमार निषाद, बैजू सहनी, अशोक सहनी, ऋषिकेश कुमार सीतामढ़ी, राम संयोग राय, अरविन्द प्रसाद कर्ण, राजेश कुमार, राम एकबाल राय, सुशील कुमार यादव, रामा शंकर राय, हुकुमदेव नारायण सिंह, मिथलेश सहनी, राजकुमार मंडल, नवल किशोर सिंह, बागमती संघर्ष मोर्चा, रविन्द्र किशोर सिंह, जलधर सहनी, सीतामढ़ी, राजाराम सहनी, सोनपुर सारण, राजेन्द्र पटेल, अनिल कुमार अनल, बिरेंद्र राय, लक्षणदेव प्रसाद सिंह, नदीम खान, नरेश कुमार, देवीलाल यादव, मुन्ना कुमार, सत्येनु कुमार, रामचन्द्र सहनी, दिवाकर घोष, रमेश कुमार केजरीवाल, संगीता सुभाषिनी,कौशल्या देवी, रिंकु देवी , गायत्री देवी, रंजीत साह, शंभू सहनी, जमदार मुखिया, राजेश राय, साई सेवादार अविनाश कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता रामबाबू ने इस सवाल पर निर्णायक अहिंसक लडाई का संकल्प लिया।भारत में विश्वबैंक की मदद से बड़े बांधों, बराजों द्वारा उपजाऊ धरती, जंगल सहित जैव विविधता से भरी प्रकृति और नदी से जुड़ी संस्कृति स्वाहा कर विकास का यज्ञ चलाया जा रहा है। (लेखक-कुमार कृष्णन/ईएमएस)

राम नाम की महिमा अपरम्पार

भगवान राम के नाम का पहला अक्षर रा है, जिसकी विभिन्न व्याख्याएँ हैं। प्राचीन संस्कृतियों में, रा अक्सर सूर्य देवता से जुड़ा होता था, जो प्रकाश, ऊर्जा और जीवन शक्ति का प्रतिनिधित्व करता था। भगवान राम के संदर्भ में, रा आत्मज्ञान और परम सत्य का प्रतीक है। विज्ञान हमें सिखाता है कि प्रकाश पृथ्वी पर सभी जीवन के लिए मौलिक है, प्रकाश संश्लेषण को चलाता है और जीवित रहने के लिए आवश्यक ऊर्जा प्रदान करता है। इसी तरह, आत्मज्ञान एक रूपक समझ है जो स्पष्टता और ज्ञान लाती है। भगवान राम ने अपने दिव्य गुणों और अनुकरणीय चरित्र के साथ ज्ञान का संचार किया, धर्म का मार्ग प्रशस्त किया और अपने अनुयायियों को ज्ञान की ओर अग्रसर किया।उनके नाम का दूसरा अक्षर मा है, जिसकी कई तरह से व्याख्या की जा सकती है। माँ पोषण करने वाली स्त्री ऊर्जा या दिव्य मातृ पहलू का प्रतीक है। यह प्रेम, करुणा और सुरक्षा का प्रतिनिधित्व करता है, ये गुण अक्सर मातृत्व से जुड़े होते हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से, मा की अवधारणा को प्रकृति के नियमों और ब्रह्मांड में उनकी पोषण संबंधी भूमिका से जोड़ा जा सकता है। जिस तरह एक माँ अपने बच्चे की प्यार से देखभाल करती है, उसी तरह प्रकृति के नियम ब्रह्मांड को नियंत्रित और संरक्षित करते हैं, जिससे इसका सुचारू संचालन सुनिश्चित होता है।इसके अलावा, मा को पदार्थ की धारणा से जोड़ा जा सकता है। भौतिकी में, पदार्थ को ऐसी किसी भी चीज़ के रूप में परिभाषित किया जाता है जो स्थान घेरती है और जिसमें द्रव्यमान होता है। इसमें परमाणु, अणु और उपपरमाण्विक कण शामिल हैं जो भौतिक दुनिया के निर्माण खंड बनाते हैं। भगवान राम के नाम में रा और मा के बीच तालमेल को अस्तित्व के आध्यात्मिक और भौतिक पहलुओं के बीच अंतर्संबंध के प्रतिनिधित्व के रूप में देखा जा सकता है। यह सुझाव देता है कि जीवन के आध्यात्मिक और भौतिक दोनों आयामों को पहचानने और उनमें सामंजस्य बिठाकर सच्चा ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है।इसलिए, भगवान राम के नाम में ज्ञान, प्रकाश, ऊर्जा, प्रेम और सद्भाव का एक शक्तिशाली ब्रह्मांडीय मिश्रण समाहित है। इन विशेषताओं को अपनाकर, भगवान राम आध्यात्मिकता और वैज्ञानिक समझ के पूर्ण मिलन का अनुमप उदाहरण देते हैं, यह दिखाते हुए कि दोनों एक साथ रह सकते हैं और एक दूसरे के पूरक हो सकते हैं और सतमार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं।इसके अलावा, भगवान राम नाम का हिंदू महाकाव्य रामायण में भी बहुत महत्व है, जहां भगवान राम को एक आदर्श राजा और एक महान योद्धा के रूप में दर्शाया गया है। उनका नाम एक ऐसे व्यक्ति का प्रतीक है जो दृढ़, न्यायप्रिय और धर्मात्मा है।

इन गुणों का वैज्ञानिक अनुप्रयोग नैतिकता के क्षेत्र में पाया जा सकता है, जहाँ न्याय, सत्यनिष्ठा और नैतिक आचरण के सिद्धांत किसी भी वैज्ञानिक प्रयास में महत्वपूर्ण हैं। वैज्ञानिक, भगवान राम की तरह, ज्ञान और समझ की खोज में सत्य, धार्मिकता और सद्भाव के लिए प्रयास करते हैं।प्रत्येक अक्षर के प्रतीकवाद की जांच करके भगवान राम के नाम के पीछे के वैज्ञानिक अर्थ को समझा जा सकता है।

यह एक अनुस्मारक है कि विज्ञान और आध्यात्मिकता मानवता की भलाई के लिए एक-दूसरे के पूरक और संवर्द्धन के साथ सहज रूप से सह-अस्तित्व में रह सकते हैं।रा आत्मज्ञान, प्रकाश और ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि मा पोषण, प्रेम और अस्तित्व के भौतिक आयाम का प्रतीक है। साथ में, ये शब्दांश गहन ब्रह्मांडीय सामंजस्य और आध्यात्मिकता और विज्ञान के बीच अंतर्संबंध को समाहित करते हैं। भगवान राम का नाम नैतिक आचरण, सत्य और धार्मिकता के प्रतीक के रूप में खड़ा है, जो वैज्ञानिक गतिविधियों में आवश्यक सिद्धांत हैं। (लेखक –ह्ल्ड्ड गोस्वामी/ईएमएस)

संवेदनाएं मृतप्राय हो चुकी हैं।

कैसी विडंबना हैं की आज आधुनिक इंसानों में संवेदनाएं मरती जा रही है और संवेदनहीनताएं बढ़ती जा रही है। इंसानियत का जनाजा निकल रहा है आदमी खुदगर्ज बन गया है वक़्त भूल गया है यह पतन की पराकाष्ठा है त्इंसान माया के जाल में इतना उलझा हुआ है कि उसके आगे इंसान को बौना समझता है।इस माया के तराजू पर रिशते तोले जा रहे है।माया के लिए न तो समाज की परवाह है और नही भगवान का डर है।आज माया के कारण रिश्ते टूटते जा रहे है। मगर कहते है कि रिश्ते अगर एक बार टूट जाए और बाद में मिल भी जाए तो दरारें कभी नहीं भरती।माया के कारण इंसान अंधा होता जा रहा है और अपना विवेक खो चुका है। माया इकठठी करने के चक्कर में आज आदमी इतना व्यस्त है कि रोटी खाने के लिए समय नहीं है। यह घटिया किस्म के माया के भूखे लोग एक दिन भूखे ही मर जाएगें। पैसे से बड़ा चरित्र होता है मगर माया के अन्धे लोगों को इससे कोई सरोकार नहीं होता। विडवंना देखिए कि आज मानव माया को ही सब कुछ मान बैठा है।कुछ तथाकथित अमीर आज मजदूरों की कमाई से महल बना रहे है मगर जिस दिन यह मजदूरों का पसीना अपना रंग दिखाएगा महल धराशायी हो जाएगें। यह अटल सच्चाई है त्सच्चाई व ईमानदारी कभी नहीं हारती इसलिए सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए क्योकि सत्य की सदा जीत हुई है।यह अटल सत्य है।समाज में बेईमानों का सत्यनाश हुआ है। खुदा के घर में देर है अन्धेर नहीं है।ईमानदारी की सदा ही विजय हुई है।ईमानदारी युगों-यंगों तक अमर रहती है।ईमानदारी की कभी हार नहीं होती। ईमानदारी एक अच्छी नीति है।आज ईमानदार लोगों की खिल्ली उडाई जाती है।ईमानदारों के खिलाफ षड़यंन्त्र रचे जाते है मगर ईमानदारों पर आंच नहीं आती।ईमानदारी की हमेशा जीत हुई है।यह एक शाश्वत सत्य है। ईमानदार आदमी द्वारा समाज के लिए निस्वार्थ भाव से किए गए महान कार्यो के लिए समाज उसे युगों युगों तक याद रखता है। कहते है ईमानदारी से कमाया पैसा बरकत देता है।ईमानदार आदमी अपने मानवता के लिए किए गए पुनीत कार्यो से अमर हो जाता है।समाज में ईमानदारों की मिसालें दी जाती है। ईमानदारी के रास्तें में मुसीबते बहुत है लेकिन ईमानदारी से किए गए कार्यों के बाद जो खुशी होती है उसे करोडों रुपयों से भी हासिल नहीं किया जा सकता।ईमानदार आदमी पहले दुसरों का भला सोचता है कि कौन असली जरुरतमंद है।ईमानदार समाज के हित में अपना जीवन समर्पित कर देता है।ईमानदारी का कोई सानी नहीं है। ईमानदार आदमी द्वारा समाज के लिए निस्वार्थ भाव से किए गए महान कार्यो के लिए समाज उसे युगों युगों तक याद रखता है। वर्तमान समाज में ईमानदारी पर बेईमानी हावी होती जा रही है त समाज के लिए अच्छे कार्य करने चाहिए ताकी समाज मै एक उदाहरण बन सके त कर्म अपने अपने हैं जैसे कर्म करोगे वैसे ही फल पाओगे त एक अलग रास्ता अपनाना चाहिए त कर्मो का हिसाब जरूर होगा त वक़्त के थपेड़ों से कोई नहीं बचा है वक़्त ने सबका गरूर तोड़ा है और मिट्टी मै मिला दिया है लेकिन फितरत करने वाले फितरत नहीं छोड़ते क्यूंकि फितरत ही उनका इल्म है त घमंड कब तक करोगे एक दिन घमंड चूर चूर हो जायेगा फिर एहसास होगा की समाज से बड़ा कुछ नहीं है त आदमी आज आदमी से नफ़रत कर रहा है और कुत्तों से प्यार कर रहा है त कुत्ते गाड़ियों मे घूम रहे हैं बिस्कुट खा रहे हैं और आदमी रोटी को तरस रहा है भोजन की बर्बादी की जा रही है और लोग दाने दाने को मोहताज हैं त आदमी को नफ़रत छोड़ देनी चाहिए त गरीबों का मजाक उड़ाने वालों एक दिन तुम्हे अपने कर्मो की सजा जरूर मिलेगी जब वक्त तुम्हे आईना दिखाएगा इसलिए अभी वक्त है कि संभल जाओं वरना मिटटी भी नसीब नहीं होगी अपनी गंदी फितरतों को छोड़.दो ।ऐसे गिरगिट प्रजाति के लोगों के चिथडे हो जाते है।ऐसे लोगों को सजा जरूर मिलती है जो दूसरो को दुख देकर अपना सुख तलाश करते है।ऐसे लोग अपने दुख से इतने दुखी नहीं है जितने दूसरों के सुख देखकर दुखी है।आत्मकेद्रित व फितरती तथा गिरगिटों की तरह रंग बदलने वाले मानव को नीच कर्मो की सजा जरुर मिलती है। आधुनिक युग में कुछ नीच प्रवृति के तथाकथित अमीर लोग दूसरो को नीचा दिखाने का धिनौना कर्म करते है।क्योकि भगवान की चक्की जब चलती है तो पाप व पापी को पिस कर रख देती है। चरित्रहीनता की सारी हदे लाघने के बाद भी इतराते है। समाज में पैसे के बल पर हर आदमी को खरीदना चाहते है।दूसरों के खिलाफ षड़यत्र रचते है मगर कहते है सांच को आंच नही आती।ईमानदारी की हमेशा जीत हुई है बेईमान औधें मुह गिरे है।कुछ तथाकथित अमीर शराब को ही जिन्दगी मान बैठे है जब तक शराब न मिले तब तक इन लालचियों को चैन नहीं आता। भले ही इन्हे जितना अच्छा खाना खिला दो लेकिन शराब के बिना नहीं रह सकते।हर रोज शराब पीने का बहाना ढूंढ लेते है।अपने मजे के लिए गरीबों का इस्तेमाल करते है।राक्षसों की तरह मांस-मदिरा का सेवन करते है।यह तथाकथित अमीर बने लोग कई जानलेवा बीमारियों से ग्रस्त है।मगर शराब को ही सब कुछ मान बैठै है।बुराई की हमेशा हार हुई अच्छाई सदा जीत ही हासिल करती है।इन तथाकथित अमीरों के चिराग हर प्रकार के नशा के आदि है मगर इन्हे दूसरों के बच्चे तो नशा करते दिख जाते है मगर अपने बिगडैल व नशेडीयों की करतूते नजर नहीं आती जो हर समय धूत रहते है।कहते है अपने चेहरे के दाग किसे नजर आते है मगर वक्त सब को आईना दिखा देता है।(लेखक – नरेंद्र भारती /ईएमएस)

शब्द पहेली - 8134

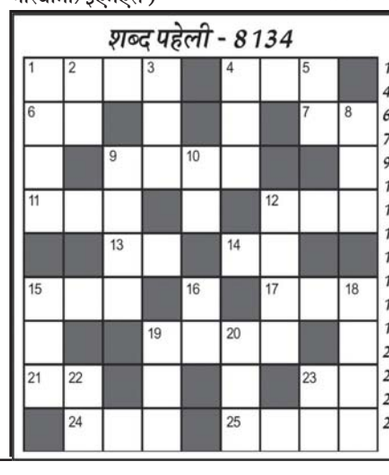

बाएँ से दाएँ

1. कलाकार, अदाकार-4
4. फूलों की छोटी माला, वेणी-3
6. पैर, पांव-2
7. अधिकार-2
9. खानाबदोश, बंजारा-4
11. राशन, खाद्य सामग्री-3
12. टेसू के फूल-3
13. कपोल, रुखसार-2
14. विजय-2
15. डोली उठाने वाले-3
17. जल प्रपात-3
18. गठबंधन-4
21. पानी, जल-2
23. नौका-2
24. देह, काया, शरीर-3
25. अगुवा, राह दिखाने वाला-4

ऊपर से नीचे

1. उपवास का खाना-4
2. झुका हुआ-2
3. व्यवहार-3
4. समयघोष-3
5. मार्ग, पथ-2
8. गागर, घड़ा, घट-3
9. स्मारक-4
10. हत्या, कत्ल-2
12. पत्तों के गिरने का मौसम-4
15. कथा, गाथा-3
16. अष्टम-2
18. नामचीन-4
19. रवाना होना-3
20. विदूषक, मसखरा-3
22. ईश्वर, भगवान-2
23. बटन, स्विच-2

शब्द पहेली -8133 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

100वें टेस्ट में शतक लगाने वाले 12वें खिलाड़ी बने अश्विन 102

चेन्नई (ईएमएस)। भारतीय टीम के ऑलराऊंडर रविचंद्रन अश्विन ने आज यहां बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के पहले ही दिन नाबाद शतक 102 रन बनाने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। अश्विन 100वें टेस्ट में शतक लगाने वाले विश्व के 12वें खिलाड़ी बन गए हैं। अश्विन जब मैदान में उतरे तब भारतीय टीम कठिन हालातों में थी पर उन्होंने अपने शतक से टीम को उबार दिया। अश्विन ने जडेजा के साथ करीब 200 रन की साझेदारी कर नया रिकार्ड भी बनाया। अश्विन का यह टेस्ट क्रिकेट में छठा शतक रहा। 100वें टेस्ट में शतक लगाने वाले अन्य क्रिकेटर हैं। 104 रन : एमसी काउड्रे (इंग्लैंड बनाम ऑस्ट्रेलिया) 1968। 145 रन : जावेद मियांदाद (पाकिस्तान बनाम भारत) 1989। 149 रन : जी ग्रीनीज (विंडीज बनाम इंग्लैं

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

फेड के ब्याज दरों में कटौती से आया उत्साह

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आई है। इसके अलावा अमेरिकी फेडरल रिजर्व (फेड) द्वारा नीतिगत ब्याज दरों में कटौती की घोषणा से भी बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 236.57 अंक करीब 0.29 फीसदी ऊपर आकर 83,184.80 के उच्च स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 38.25 अंक तकरीबन 0.15 फीसदी बढ़कर 25,415.80 पर बंद हुआ।

सेंसेक्सके 19 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। एनटीपीसी कोटक बैंक, टाइटन, नेस्ले इंडिया और सबसे अधिकलाभवाले शेयर रहे। वहीं मारुति, एचडीएफसीबैंक,एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल,सन फार्मा, एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स, रिलायंस, पावरग्रिड, इंडसइंड बैंक,आईसीआई सीआई बैंक, आईटी सी, बजाज फिनसर्व और इंफोसिस के शेयर भी उछले। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के 11 शेयरों में गिरावट रही। इनमेंअदाणीपोर्ट्स,एलएंडटी, टीसीएस, जेएसडब्यू स्टील और एचसीएल टेक जैसे शेयर रहे। इसके अलावा, टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, बजाज फाइनैंस, एमएंडएम, एसबीआई और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर भी गिरे।

एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग में तेजी आई। वहीं दोपहर के कारोबार में, यूरोपीय बाजार उछले। गत दिवस अमेरिकी बाजार में गिरावट रही। वहीं गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स और निफ्टी बाजार खुलते ही नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गये। यह तेजी एशिया-पैसिफिक बाजारों और वॉल स्ट्रीट फ्यूचर्स में उछाल के बाद आई, क्योंकि जेरोम पॉवेल की अगुवाई वाले अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने बुधवार शाम को 50 बेसिस पॉइंट की दर में कटौती की घोषणा की थी। बाजार खुलते समय सेंसेक्स 441 अंकों की बढ़त के साथ 83,389 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। हालांकि, कुछ देर बाद ही सेंसेक्स 782 अंकों के उछाल के साथ 83,730 के लेवल पर आ गया। वहीं निफ्टी 50 165 अंकों की बढ़त के साथ 25,542 पर दिखा और थोड़ी देर बाद ही यह 224 अंक बढ़कर 25,602 के स्तर पर आ गया। सभी सेक्टर्स में तेजी देखी गई, जिसमें आईटी इंडेक्स 1.55 फीसदी और रियल्टी इंडेक्स 1.10 फीसदी की बढ़त के साथ सबसे आगे रहे।

रात 10 बजे के बाद बदल जाएगा टीनएजर्स का इंस्टाग्राम अकाउंट!

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। दुनियाभर में करोड़ों लोग इंस्टाग्राम का उपयोग करते हैं। वाटसएप की तरह इंस्टाग्राम भी अपने यूजर्स को बेहतर सुविधा देने के लिए प्रयास करता रहता है और नए-नए फीचर अपडेट करता है लेकिन आज के समय में छोटे बच्चे से लेकर बड़ों तक सभी इसे यूज करते हैं। इससे कई क्राइम भी हो रहे हैं। इसी कड़ी में इंस्टाग्राम ने टीनएजर्स की सुरक्षा देखते हुए नया ऐलान किया है। अब उन्हें इंस्टाग्राम टीन एकाउंट मिलेगा। इंस्टाग्राम टीन एकाउंट में यूजर्स की प्राइवेसी और सेफ्टी का काफी ध्यान रखा गया है। इसमें यूजर्स का अकाउंट बाय डिफॉल्ट प्राइवेट हो जाएगा। इसके अलावा रात 10 बजे के बाद से कोई अलर्ट नोटिफिकेशन नहीं आएगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इसकी मदद से नाबालिग को ऑनलाइन दुनिया की वजह से होने वाले नुकसान से बचाना चाहता है।

ओडिशा सरकार ने 39,271 करोड़ के निवेश प्रस्ताव को दी मंजूरी

भुवनेश्वर (ईएमएस)। ओडिशा सरकार ने 39,271 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी है, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में 17,098 लोगों ?को नौक?रियों के ?मिलने की संभावना बढ़ गई है। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी की अध्यक्षता में हाल ही में हुई उच्च स्तरीय मंजूरी प्राधिकरण (एचएलसीए) की बैठक में निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। एचएलसीए ने 12 प्रमुख औद्योगिक परियोजनाओं को मंजूरी दी है। स्वीकृत परियोजनाओं में इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन व विनिर्माण (ईएसडीएम), इस्पात, मेटल डाउनस्ट्रीम, रसायन, सीमेंट, ग्रीन अमोनिया और रबर/प्लास्टिक शामिल हैं। ये परियोजनाएं आठ जिलों खुर्दा, ढेंकनाल, जगतसिंहपुर, कटक, संबलपुर, गंजम, बालासोर और क्योंझर में स्थापित की जाएंगी। मुख्यमंत्री माझी ने कहा ?कि नई सरकार के तहत यह हमारी पहली एचएलसीए बैठक है। हमारी सरकार ओडिशा में औद्योगिक विकास व आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने वाले माहौल को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा लक्ष्य ओडिशा को भारत में एक प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करना है। हमारा लक्ष्य अगले पांच वर्षों में विविध क्षेत्रों में उद्योगों को आकर्षित करना है जिससे ओडिशा भारत का औद्योगिक केंद्र बन सके। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ओडिशा को सबसे अधिक व्यापार-अनुकूल राज्यों में से एक बनाने के लिए विभिन्न उपायों को लागू कर रही है।

प्रत्यक्ष कर संग्रह 21.48 फीसदी बढ़कर 12 लाख करोड़ हुआ

नई दिल्ली (ईएमएस)। चालू वित्त वर्ष में 17 सितंबर तक सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 21.48 प्रतिशत बढ़कर 12.01 लाख करोड़ रुपये हो गया है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) द्वारा जारी आंकड़े के अनुसार अधिक रिफंड के बावजूद प्रत्यक्ष कर संग्रह 17 सितंबर तक 16.12 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 9.96 लाख करोड़ रुपयेरहाहै।आंकड़ों के अनुसार 2024-25 में 17 सितंबर तक 2,05,307 करोड़ रुपये का रिफंड हुआ है। जो कि साल दर साल के हिसाब से 56.49 प्रतिशत अधिक है। पिछले वित्त वर्ष में इसी अवधि के दौरान 1,31,196 करोड़ रुपये का रिफंड हुआ था। व्यक्तिगत आयकर संग्रह 17 सितंबर 2024 तक 6,14,459 करोड़ रुपये रहा है। पिछले साल इसी दौरान 5,00,822 करोड़ रुपये का व्यक्तिगत आयकर संग्रह हुआ था। इस तरह इसमें 22.70 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।17 सितंबर 2024 तक 99,230 करोड़ रुपये का व्यक्तिगत आयकर रिफंड रहा है। सालाना आधार पर इसमें 46.74 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसी तरह से 17 सितंबर 2024 के दौरान कॉरपोरेट आयकर संग्रह 5,58,616 करोड़ रुपये रहा है जो पिछले वित्त वर्ष के 4,72,904 करोड़ रुपये की तुलना में 18.12 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में 1,06,053 करोड़ रुपये का कॉरपोरेट आयकर रिफंड रहा है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 63,538 करोड़ रुपये के रिफंड की तुलना में 67 प्रतिशत अधिक है।

पीएनबी ने एमटीएनएल के ऋण खातों को एनपीए घोषित किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) ने कहा कि ब्याज और किस्त का भुगतान न करने के कारण पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के साथ उसके ऋण खाते को इस महीने गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) घोषित कर दिया गया है। एमटीएनएल ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इस संबंध में पीएनबी का 13 सितंबर, 2024 का पत्र संलग्न है, जिसके अनुसार विभिन्न खातों में बकाया राशि लगभग 441 करोड़ रुपये है, जबकि 46 करोड़ रुपये से अधिक पिछला बकाया है। एमटीएनएल ने कहा ?कि ब्याज और किस्त का भुगतान न करने के कारण एमटीएनएल के कर्ज खातों को एनपीए घोषित कर दिया गया है।

सोने का भाव 73 हजार से नीचे, चांदी हुई महंगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। चांदी के वायदा भाव में गुरुवार को तेजी देखने को मिल रही है, जबकि सोने के वायदा भाव गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। गुरुवार को सोने के वायदा भाव 72,900 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 88,400 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में नरमी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 125 रुपये की गिरावट के साथ 72,930 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 133 रुपये की गिरावट के साथ 72,922 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 249 रुपये की तेजी के साथ 88,548 रुपये पर खुला। इस समय यह 110 रुपये की तेजी के साथ 88,409 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,585.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,598.60 डॉलर प्रति औंस था। ?फिलहाल यह 9.90 डॉलर की गिरावट के साथ 2,588.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 30.41 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 30.68 डॉलर था। ?फिलहाल यह 0.06 डॉलर की गिरावट के साथ 30.62 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

अश्विन के शतक और जडेजा के अर्धशतक से भारतीय टीम ने पहली पारी में बनाये छह विकेट पर 339 रन

चेन्नई (ईएमएस)। आर अश्विन के शानदार शतक से भारतीय टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ आज यहां शुरु हुए पहले क्रिकेट टेस्ट मैच की पहली पारी में छह विकेट पर 339 बना लिए। पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय रविंद्र जडेजा 86 और अश्विन 102 रन बनाकर खेल रहे थे। इस प्रकार पहले दिन के खेल का आकर्षण जडेजा ओर अश्विन की अच्छी बल्लेबाजी रही। भारतीय टीम ने आज सुबह लंच तक 88 रनों पर ही तीन विकेट खेल दिये थे। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा 6 रनों पर ही आउट हो गये। वहीं शुभमन गिल अपना खाता भी नहीं खोल पाये। अनुभवी विराट कोहली भी 6 रन ही बना पाये। इसके बाद यशस्वी जायसवाल 56 और कार हादसे के बाद लंबे प्रारुप में वापसी करते हुए ऋषभ पंत 39 ने स्कोर आगे बढ़ाया। ऋषभ के आउट होने के बाद केएलराहुलभी 16 रन ही बना पाये। इसके बादजडेजाऔरअश्विन ने शानदार साझे दारी कर भारतीय टीम को संकट से उबारा।

सुबह भारतीय टीम के शीर्ष बल्लेबाज असफल रहे। यशस्वी और ऋषभ ने चौथे विकेट के लिए 99 गेंद में 62 रन बनाये। ऋषभ हसन महमूद की गेंद पर आउट हुए। वहीं यशस्वी अर्धशतक लगाने के बाद मेहदी हसन मिराज का शिकार बने।

राहुल भी काफी समय बाद वापसी करते हुए नाकाम रहे और नाहिद राणा की गेंद पर पहली स्लिप में शादमैन इस्लाम के हाथों कैच हो गये। वह केवल 16 रन ही बना पाये। भारत के छह विकेट 150 रनों के अंदर गिर गये थे। दूसरे सत्र में भी बांग्लादेशी गेंदबाज हावी रहे। बांग्लादेश ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को बल्लेबाजी के लिए बुंलाया। भारतीय टीम के शीर्ष बल्लेबाज महमूद का सामना नहीं कर पाये। इस मैच में शानदार साझेदारी कर अश्विन और जडेजा ने सचिन व जहीर का रिकॉर्ड तोड़ दिया। 144 रनों पर छठा विकेट गिरने के बाद जडेजा और अश्विन ने पारी संभाली इन दोनों ने आक्रामक अंदाज में खेलते हुए बांग्लादेशी गेंदबाजों पर दबाव बना दिया। इन दोनों ने 7वें विकेट के लिए स्टंप्स तक 227 गेंदों में 195 रनों की साझेदारी करते हुए भारत की पारी संभाल ली है। यह टेस्ट मैचों में बांग्लादेश के खिलाफ भारत की ओर से सातवें विकेट या इससे नीचे की सबसे बड़ी साझेदारी है। इससे पहले सचिन तेंदुलकर और जहीर खान ने साल 2004 में 10वें विकेट के लिए 133 रन बनाये थे।

आज के मैच में बांग्लादेश की ओर से हसन महमूद ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए।

भारतीय टीम ने इस मैच में तीन तेज गेंदबाज और दो स्पिनर उतारे हैं। तेज गेंदबाजो में आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह और मो सिराज हैं जबकि स्पिनर के तौर पर आर अश्विन और रविन्द्र जडेजा शामिल हैं।

आईपीएल 2025 नीलामी नवंबर अंत या दिसंबर की शुरुआत में होगी : बीसीसीआई

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि आईपीएल 2025 के लिए मेगा नीलामी नवंबर के अंत या दिसंबर की शुरुआत में होगी। बीसीसीआई ने पिछले एक दशक में दो बड़ी नीलामियों का आयोजन किया है, जिनके बीच चार साल का अंतराल था। पहली मेगा नीलामी 2014 में आयोजित की गई थी जबकि दूसरी 2018 में, उस समय राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स ने अपने दो साल के निलंबन के बाद वापसी की थी।

एक रिपोर्ट के अनुसार, आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी की तिथि की पुष्टि हो गई है। हालांकि, नीलामी के नियम और विनियम अभी तक घोषित नहीं किए गए हैं। पूर्व में कोविड-19 महामारी के चलते 2021 की मेगा नीलामी को एक साल के लिए स्थगित कर दिया गया था। तब टीमों ने इस दौरान अपने खिलाड़ियों के अनुबंध में एक साल के लिए बढ़ा दिया था।

2022 में हुई पिछली मेगा नीलामी की तरह, आगामी नीलामी भी दो दिन की रहेगी। साल 2022 में टीमों को अधिकतम चार खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति दी गई थी। हालांकि अभी तीन साल के चक्र की समाप्ति के साथ ही विभिन्न फ्रेंचाइजी के बीच रिटेन (बरकरार रखे) गए खिलाड़ियों की संख्या को लेकर भी संशय है। कुछ टीमें अधिकतम आठ खिलाड़ियों को रिटेन करने की मांग कर रही हैं, जबकि अन्य चार या पांच खिलाड़ियों की है, को बनाए रखने के पक्ष में हैं।

लेबनान में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस में हो रहे धमाकों से तनाव बढ़ा

बेरूत(ईएमएस)। लेबनान में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस में हो रहे धमाकों से जहां दहशत का माहौल है वहीं,इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच तनाब और ज्यादा बढ़ गया है। यहां इन दिनों लेबनान में दहशत का माहौल गहराता जा रहा है, जहां पेजर, वॉकी-टॉकी और यहां तक कि घरों में इस्तेमाल होने वाले टीवी, फ्रिज और अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस फट रहे हैं। इस अभूतपूर्व घटनाक्रम ने लोगों को भयभीत कर दिया है, जिससे वे अपने वॉकी-टॉकी और टीवी रिमोट्स से बैटरी निकालकर फेंक रहे हैं। सोशल मीडिया पर साझा किए गए कई वीडियो में लोगों ने इन विस्फोटों के सबूत दिखाए हैं, जिनमें फिंगरप्रिंट लॉक और किचन अप्लायंसेज भी धमाकों का शिकार बने हैं।

हालात तब और गंभीर हो गए जब हिज़बुल्लाह के एक कमांडर के जनाजे के दौरान वॉकी-टॉकी के अचानक फटने से 14 लोगों की मौत हो गई और 450 से अधिक लोग घायल हो गए। इससे पहले भी पेजर धमाकों में कम से कम 8 लोग मारे गए थे और 2800 से ज्यादा घायल हुए थे। लेबनानी सैन्य बलों ने भी थाईलैंड से मंगाई गई चावल की बोरियों को धमाके से नष्ट किया, क्योंकि उन्हें संदेह था कि उनमें विस्फोटक छिपे हो सकते हैं। लेबनान के दक्षिणी और बेरूत क्षेत्रों में सोलर सिस्टम में भी विस्फोट होने की खबरें आई हैं, जिनमें एक लड़की घायल हो गई। इन घटनाओं ने इजरायल और हिज़बुल्लाह के बीच तनाव को और बढ़ा दिया है, जिससे क्षेत्र में एक नई जंग छिड़ने का खतरा मंडरा रहा है। इजरायल ने एहतियातन लेबनान के साथ अपनी सीमा पर सैनिकों की तैनाती बढ़ा दी है, जिससे क्षेत्र में हालात और भी चिंताजनक हो गए हैं। लेबनान में हाल ही में हुए पेजर अटैक ने हिजबुल्लाह और पूरी दुनिया को सकते में डाल दिया है। इस घटना ने लोगों को हैरान कर दिया है कि पेजर जैसे छोटे उपकरण को भी बम की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। भले ही इजरायल ने आधिकारिक तौर पर इन हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन रिपोर्ट्स के अनुसार, इजरायल की खुफिया साइबर शाखा 'यूनिट 8200' इन हमलों के पीछे है।

नेतन्याहू को मारने का प्लान फेल,शिन बेट का दावा, इजरायली व्यवसायी का इस्तेमाल कर रहा था ईरान

तेल अवीव (ईएमएस)। इजरायल ने दावा किया है कि उसने ईरान की बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया है। इजरायल की आतंरिक सुरक्षा के लिए जिम्मेदार एजेंसी शिन बेट ने कहा है कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, रक्षा मंत्री योव गैलेंट और शिन बेट डायरेक्टर रोनेन बार की हत्या की ईरान की साजिश को नाकाम किया है। शिन बेट ने गुरुवार को ये बड़ा दावा किया है। इस साजिश में ईरान एक इजरायली व्यवसायी का इस्तेमाल कर रहा था, जिसने तुर्की में काफी समय बिताया था। वे इजरायल में हत्या की योजना बनाने के लिए तुर्की और ईरानी दोनों व्यक्तियों के साथ बैठकें और लेनदेन कर रहा था।

रिपोर्ट के मुताबिक, प्लान को पूरा करने के लिए इस वर्ष अप्रैल में तुर्की के नागरिक आंद्रेई फारूक असलान और गुनीद असलान ने इजरायली कारोबारी से संपर्क कर ईजदी नाम के एक अमीर ईरानी के दो प्रतिनिधियों से मिलने के लिए तुर्की के शहर समंदाग में बुलाया। ये बैठक मई के महीने में हुई थी। वह इस पर सहमत हो गया कि तुर्की से कार के द्वारा ईरान में जाएगा, जहां उसकी मुलाकात ईदी और हज नाम के ईरानी सुरक्षा प्रतिष्ठान के सदस्य से हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइयली कारोबारी ने किसी भी गतिविधि को शुरू करने से पहले शुरू में दस लाख डॉलर मांगे थे।

इजरायली व्यवसायी ने इसके बाद अगस्त में दूसरी बार ईरान का दौरा कर साजिश को पूरा करने के लिए अपने वित्तीय, रसद और हथियार-संबंधी कार्यों की शुरुआत के हिस्से के रूप में 5,000 यूरो प्राप्त किए। अगस्त में ईरान की दूसरी यात्रा के दौरान इजराइली कारोबारी को फिर से तुर्की से ईरान में लाया गया। इजरायली व्यवसायी से निगरानी और खुफिया जानकारी जुटाने के उद्देश्य से कुछ इजरायली साइटों के वीडियो लेने के लिए कहा गया था। ईरान की दूसरी यात्रा के दौरान इजरायली व्यवसायी से पूछा गया कि क्या वह रूसियों और अमेरिकियों को इस प्लान में शामिल कर सकेगा। इनका इस्तेमाल यूरोप और अमेरिका में रहने वाले ईरान विरोधी लोगों के खिलाफ किया जा सकेगा। शिन बेट ने कहा कि ऐसा लगाता है कि ईरान इस तरह की आतंकी गतिविधियों के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है, ये खतरा एक साजिश को उजागर करने से खत्म नहीं होगा। शिन बेट की ओर से यह स्पष्ट नहीं किया गया कि क्या इन साजिशों के संबंध में ईरान और हिजबुल्लाह के बीच कोई समन्वय था या नहीं और कैसे इसकी रूपरेखा तैयार की गई थी। इस प्लान के समय के बारे में शिन बेट ने कोई जवाब नहीं दिया।

इजरायल के शीर्ष नेतृत्व की हत्या की साजिश को विफल करने का दावा करने वाली एजेंसी शिन बेट इजरायल की आतंरिक सुरक्षा मामलों की जिम्मेदारी संभालने वाली इंटेलिजेंस एजेंसी है। इसका मुख्य काम आंतरिक सुरक्षा पर ध्यान देना है। ये खुफिया एजेंसी मोसाद की तरह ही है लेकिन देश के अंदर काम करती है, जबकि मोसाद इजराइयल के बाहर काम करती है।

रुस चाहता है ब्रिक्स में शामिल हो पाकिस्तान, समर्थन भी करेगा

मास्को,(ईएमएस)। रूस ने अब पाकिस्तान का समर्थन किया है। रुस चाहता है कि पाकिस्तान 'ब्रिक्स' में शामिल हो। रूस ने कहा कि दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार व सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देकर अपने संबंधों को मजबूत करने का फैसला किया है।

रूस के उपप्रधानमंत्री एलेक्सी ओवरचुक ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार के साथ बातचीत के बाद कहा कि हमें खुशी है कि पाकिस्तान ने (ब्रिक्स सदस्यता के लिए) आवेदन किया है। ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन मित्रवत संगठन हैं। हम इसका समर्थन करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट में ओवरचुक के हवाले से कहा गया है पिछले एक साल में हमने ब्रिक्स का विस्तार देखा है और दुनिया भर के देश इसमें शामिल होना चाहते हैं वह रुचि भी दिखा रहे हैं। ब्रिक्स की स्थापना 2006 में ब्राजील, रूस, भारत और चीन द्वारा की गई थी। दक्षिण अफ्रीका 2011 में इसमें शामिल हुआ था। एक जनवरी, 2024 को मिस्र, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब और इथियोपिया इसके स्थाई सदस्य बन गए हैं। अब पाकिस्तान ने भी इसमें शामिल होने की इच्छा जताई है जिसके लिए उसने आवेदन किया है। हम उसका समर्थन करेंगे।

पीएम मोदी से मिलने को बेकरार मोहम्मद यूनुस....भारत नहीं दे रहा भाव

ढाका (ईएमएस)। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले जारी है। बांग्लादेश और भारत के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई है। इस बीच बांग्लादेश के कार्यकारी सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने की गुहार लगाई थी एक रिपोर्ट के अनुसार अगले सप्ताह संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के दौरान पीएम मोदी की बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख यूनुस से मिलने की उम्मीद नहीं है।

बता दें कि इस महीने की शुरुआत में बांग्लादेश की ओर से महासभा के दौरान एक बैठक के लिए औपचारिक अनुरोध किया गया था। इसमें दोनों नेता भाग लेने वाले हैं। नाम न बताने की शर्त पर वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि यूनुस पीएम मोदी के साथ बैठक के मिलने के लिए उत्सुक थे। उन्हें उम्मीद थी कि इससे शेख हसीना सरकार के पतन के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में उभरी परेशानियों को दूर करने में मदद मिलेगी।

लेकिन सवाल है कि एक ओर यूनुस सरकार बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर बेखबर दिख रही हैं। वहीं दूसरी ओर बांग्लादेश शेख हसीना पर भारत को वार्निंग दे रहा है। इस सब के बाद भारत कैसे माने कि यूनुस भारत के साथ रिश्तों में सुधार चाहते हैं। अगर वह ऐसा चाहते हैं, तब उन्हें पहले कूटनीति के दांवपेंच सीखना होगा। हर चीज उनके हिसाब से नहीं हो सकती है। लोगों का कहना है कि ऐसी कोई बैठक भारतीय पक्ष के एजेंडे का हिस्सा नहीं है।

यूनुस द्वारा एक इंटरव्यू में भारत-बांग्लादेश संबंधों पर की गई टिप्पणियां और ढाका में अंतरिम सरकार के सदस्यों द्वारा प्रतिदिन की जाने वाली टिप्पणियां भारत को बिल्कुल रास नहीं आई। इंटरव्यू में यूनुस ने भारत में निर्वासन के दौरान बांग्लादेश में विकास पर टिप्पणी करने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की आलोचना की। अंतरिम सरकार के अन्य सदस्यों, जिनमें वास्तविक विदेश मंत्री तौहीद हुसैन भी शामिल हैं, ने हसीना के प्रत्यर्पण की संभावना को बार-बार उठाया है।

इजरायल की सबसे खुफिया और हाई-टेक मिलिट्री यूनिट्स ने लेबनान में जर्रे-जर्रे उड़ा दिए

मोसाद से भी ज्यादा खतरनाक है यूनिट 8200

नई दिल्ली(ईएमएस)। इजरायल दो दिनों से लेबनान पर ताबड़तोड़ हमले करने में जुटा है। इजरायल ने पिछले दो दिनों में पेजर से लेकर वॉकी-टॉकी, लैपटॉप, सोलर पैनल और रेडियो सहित कई तरह की इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसों को हथियार बनाकर हिज्बुल्लाह को टारगेट पर रखा है। इन हमलों के पीछे अब तक इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद को जिम्मेदार ठहराया जा रहा था। लेकिन अब हमले में इजरायल की यूनिट 8200 का भी नाम सामने आ रहा है।

ऑपरेशन लेबनान की तैयारी लगभग एक साल से की जा रही थी। इस ऑपरेशन में यूनिट 8200 की भूमिका काफी अहम थी। हिज्बुल्लाह की ओर से जिन पेजर्स का ऑर्डर दिया गया था। उन पेजर्स में विस्फोटक फिट करवाने की जिम्मेदारी यूनिट 8200 की ही थी।

क्या है यूनिट 8200

यूनिट 8200 इजरायल की सबसे खुफिया और हाई-टेक मिलिट्री यूनिट्स में से एक है। हाई-प्रोफाइल इंटेलिजेंस ऑपरेशंस और साइबर वारफेयर में इस यूनिट की भूमिका की वजह से वैश्विक स्तर पर यह काफी चर्चा में रही है। यूनिट 8200 दरअसल इजरायली सेना इजरायल डिफेंस फोर्सेज का ही हिस्सा है, जिसका काम तकनीकी युद्ध, खुफिया बैठकों और साइबर सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। इसे मोसाद से भी ज्यादा खुफिया माना जाता है। यह खुफिया जानकारी इकट्ठा कर उसके अनुरूप स्ट्रैटेजी बनाकर काम करती है। इसकी तुलना अक्सर अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी से की जाती है। यह यूनिट हैकिंग से लेकर इन्क्रिप्शन और सर्विलांस सहित जटिल से जटिल इंटेलिजेंस काम करने के लिए युवा सैनिकों को ट्रेनिंग भी देती है। इस यूनिट में इजरायल के सबसे बेहतरीन सुरक्षाकर्मियों को भर्ती किया जाता है। यह यूनिट लीक से हटकर सोचने, तकनीकी विशेषज्ञता और इनोवेशन के लिए जानी जाती है। इस यूनिट में सेवाएं दे चुके लोगों ने बाद में ओर्का सिक्योरिटी जैसी इजरायल की हाई-टेक इंडस्ट्री को खड़ा करने में अहम भूमिका निभाई है।

यूनिट 8200 के बड़े ऑपरेशंस

यूनिट 8200 कई बड़े ऑपरेशंस में शामिल रही है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को बर्बाद करने में इस यूनिट की बड़ी भूमिका मानी जाती है। कहा जाता है कि इस यूनिट ने एक वायरस तैयार किया था, जिसका इस्तेमाल कर इस यूनिट ने ईरान के परमाणु संयत्रों पर हमला किया था। यह वायरस परमाणु संयत्रों में लगे सेंट्रीफ्यूज को अंदर से ही जला देता था। इसकी जान कारी लम्बे समय तक ईरान को नहीं हो पाई। इसके अलावा यूनिट 8200 ने 2018 में संयुक्त अरब अमीरात से ऑस्ट्रेलिया जा रहे एक विमान को हाइजैक होने से बचाया था।

कितना भयावह था अटैक?

लेबनान और सीरिया में जिन पेजर में ब्लास्ट हुआ। ब्लास्ट से पहले उनमें कुछ सेकेंड तक बीप की आवाज सुनाई दी। कुछ पेजर जेब में ही ब्लास्ट हो गए जबकि कुछ लोगों ने जैसे ही बीप की आवाज सुनकर पेजर को जेब या बैग से बाहर निकाला, उनमें ब्लास्ट हो गया। कई पेजर लोगों के हाथ में ही फट गए। इस ब्लास्ट में 12 लोगों की मौत हुई जिनमें एक छोटी बच्ची भी शामिल थी। ब्लास्ट की वजह से 4000 लोग गंभीर या मामूली रूप से चोटिल हुए थे। कई लोगों के हाथ और पैर क्षतिग्रस्त हो गए। 500 से ज्यादा लोगों को अपनी आंखें गंवानी पड़ी। किसी का धड़ क्षतिग्रस्त हुआ तो किसी के शरीर का निचला हिस्सा धमाके में उड़ गया। लेबनान में ईरान के राजदूत मोजतबा अमानी को तो एक आंख गंवानी पड़ी जबकि उनकी दूसरी आंख बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। मरने वालों में लेबनानी सांसदों के बच्चे भी हैंऔरहिज्बुल्लाहके लड़ाकों के परिवार वाले भी धमाकों की चपेट में आ गए। ठीक इसी तरहबुधवार को वॉकी-टॉकी से लेकर सोलर पैनल, लैपटॉप और रेडियो तक में ब्लास्ट किए गए। इन हमलों में 20 लोगों की मौत हुई जबकि घायलों का आंकड़ा 450 रहा।

जब तक फिलिस्तीनी राज्य नहीं बनेगा, इजरायल से कोई राजनयिक संबंध नहीं:प्रिंस

रियाद,(ईएमएस)। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और पीएम मोहम्मद बिन सलमान अल ने कहा कि पूर्वी येरूशलेम राजधानी वाले एक स्वतंत्र फिलिस्तीनी राज्य के गठन के बिना सऊदी अरब इजरायल के साथ कोई भी राजनयिक संबंध नहीं रखेगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक क्राउन प्रिंस सलमान ने इस बात पर जोर देकर कहा कि फिलिस्तीनी मुद्दा सऊदी अरब के लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता पर है। प्रिंस सलमान सऊदी शूरा परिषद के नौवें सेशन के पहले साल के उद्घाटन में शामिल हुए।

क्राउन प्रिंस ने कहा कि हम एक बार फिर जोर देते हैं कि इजरायली ऑक्यूपेशन अथॉरिटी द्वारा फिलिस्तीनी लोगों के खिलाफ किए गए अपराधों को सऊदी अरब स्वीकार नहीं करेगा। यह अंतर्राष्ट्रीय और मानवीय कानूनों की अवहेलना है और हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। सऊदी शाह सलमान बिन अब्दुल अजीज अल सऊद की ओर से क्राउन प्रिंस ने उन देशों का आभार माना जिन्होंने फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता दी है और अन्य देशों को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

क्राउन प्रिंस ने कहा कि हम मानते हैं कि मानवता की भलाई और हमारे साझा सभ्यतागत मूल्यों का संरक्षण एक उज्जवल भविष्य के लिए मिलकर काम करने पर निर्भर करता है। इसके लिए देशों की स्वतंत्रता और मूल्यों के लिए आपसी सम्मान, अच्छे पड़ोसी और गैर-हस्तक्षेप के सिद्धांतों को बनाए रखना और विवादों को शांतिपूर्ण तरीके से हल करना जरूरी है। इससे ही क्षेत्र में शांति स्थापित होगी।

अमेरिका हुआ नाराज....चीन को लुभाने सैन्य बेस के लिए जमीन देने को तैयार पाकिस्तान

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान ने हमेशा ही चीन और अमेरिका के साथ अपने संबंधों को बयान रखने की कोशिश की है। वहीं अमेरिका और चीन दोनों ही पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता का फायदा उठाकर अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश करते रहे हैं। एक रिपोर्ट में सीक्रेट दस्तावेजों के आधार पर दावा किया है कि पाकिस्तान ने चीन से ग्वादर में एक सैन्य बेस बनाने के लिए जगह देने का वादा किया था। ये तब हुआ था जब पाकिस्तान अमेरिका को लुभाने में कामयाब नहीं हो सका था। इसके अलावा बीजिंग की लंबे समय से चली आ रही पा

'विकसित गुजरात से विकसित भारत' के लक्ष्य को सिद्ध करेगा सूरत परिक्षेत्र का 'इकोनॉमिक डेवलपमेंट प्लान' : मुख्यमंत्री

- मुख्यमंत्री ने ग्रोथ हब के रूप में सूरत इकोनॉमिक रीजन के 'इकोनॉमिक डेवलपमेंट प्लान' को लॉन्च किया

- केंद्र सरकार ने इकोनॉमिक मास्टर प्लान में शामिल कर सूरत पर जताया पूर्ण विश्वास: सी.आर. पाटिल

सूरत (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सूरत शहर में सूरत और उसके आसपास के नवसारी, भरूच, डांग, तापी और वलसाड सहित 6 जिलों को मिलाकर बनाए गए 'सूरत इकोनॉमिक रीजन' के महत्वाकांक्षी 'इकोनॉमिक डेवलपमेंट प्लान' को लॉन्च किया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस अवसर पर कहा कि भविष्य के विकास का यह मास्टर प्लान केवल एक डॉक्यूमेंट नहीं है, बल्कि यह राज्य के छह जिलों के आर्थिक परिदृश्य में एक बड़ा परिवर्तन लाने वाला कमिटमेंट है। इसमें विकास की नींव माने जाने वाले सस्टेनेबल एग्रीकल्चर, रीयल एस्टेट, टूरिज्म, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और लॉजिस्टिक्स आदि क्षेत्रों के विकास की संभावनाएं भी उजागर हुई हैं। सूरत के डुमस रोड में स्थित ली मेरेडियन होटल में आयोजित समारोह में विभिन्न क्षेत्रों के उद्योगपति, शिक्षाविद, चार्टर्ड एकाउंटेंट, जीआईडीसी के अध्यक्ष, हीरा-टेक्सटाइल, डाइंग एंड प्रिंटिंग, जेम्स एंड ज्वैलरी, हेल्थ, होटल एसोसिएशन, सहकारी क्षेत्र, चीनी मिल, एपीएमसी, फूड प्रोसेसिंग, अक्वा फार्मिंग, क्रेडाई, और सोलर एनर्जी जैसे विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में मुख्यमंत्री सहित महानुभावों ने इकोनॉमिक डेवलपमेंट प्लान का अनावरण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की मंशा सूरत परिक्षेत्र का द्रुत और सस्टेनेबल (टिकाऊ) विकास करना है, जिसे पूरा करने के लिए गुजरात तैयार है। ऐसे में, यह पहल गुजरात के विकास मॉडल को एक नई ऊर्जा और प्रोत्साहन देगी। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि 'विकसित भारत2047' के अंतर्गत सरकार ने गुजरात को 2047 तक 3.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने और 34 लाख नए रोजगार के अवसरों का सृजन करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में गुजरात देश का ग्रोथ इंजन बना है, जबकि गुजरात का ग्रोथ इंजन सूरत है। सूरत ने राज्य की आर्थिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि अब, राज्य सरकार अमृत काल में 'विकसित गुजरात' का निर्माण कर विकास में योगदान देते हुए देश में अग्रणी बनने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि नीति आयोग के नेतृत्व में सूरत द्वारा देश में पहली बार बनाया गया इकोनॉमिक डेवलपमेंट प्लान 'विकसित गुजरात से विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करेगा। उन्होंने कहा कि ग्रोथ हब प्रोग्राम प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत2047' के विजन के अंतर्गत वर्ष 2047 तक भारत को 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करेगा। उन्होंने इसके लिए शहरी क्षेत्रों को सुनियोजित तरीके से विकसित करने की केंद्र सरकार की इस पहल की सराहना करते हुए इस योजना में गुजरात के सूरत सहित छह जिलों का चयन करने के लिए नीति आयोग का आभार व्यक्त किया। उन्होंने यह भी कहा कि सूरत, जिसे प्रधानमंत्री जिसे लघु भारत कहते हैं, उसके और आसपास के क्षेत्रों के समग्र विकास विजन के साथ नीति आयोग ने एक अनूठी पहल की है। अब उत्तर गुजरात, सौराष्ट्र और मध्य गुजरात के अन्य क्षेत्रों के लिए भी ऐसा ही भविष्य उन्मुख मास्टर प्लान बनाने के संबंध में विचार किया जाएगा। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के 36 फीसदी योगदान के सापेक्ष सूरत की जीडीपी में वहां के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का योगदान 55 फीसदी है, इस उपलब्धि की बुनियाद टेक्सटाइल, जेम्स ज्वैलरी, डायमंड और केमिकल एंड डाइंग जैसे परंपरागत उद्योग हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत' के विजन का अनुसरण करते हुए राज्य सरकार ने 'विकसित गुजरात2047' के लक्ष्य को निर्धारित समय से पहले ही हासिल करने के लिए अपना एक अलग विजन बनाया है। इस संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि पॉलिसी ड्रिवन और सेक्टर स्पेसिफिक पॉलिसीज वाला राज्य होने के कारण गुजरात देश और दुनिया के उद्योगपतियों के लिए निवेश का सर्वश्रेष्ठ विकल्प बन गया है। प्रधानमंत्री द्वारा दी गई श्रेष्ठ लॉजिस्टिक्स और इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाएं तथा ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की परंपरा से गुजरात देश के विकास का रोल मॉडल बन गया है। उन्होंने कहा कि हमने अतीत में गुजरात को विरासत में मिले सीमित संसाधनों को विकास के स्रोत में परिवर्तित किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान गुजरात में शुरू की गई वाइब्रेंट समिट से दुनिया में गुजरात की पहचान मैन्युफैक्चरिंग हब, ऑटो हब, फार्मा हब और सेमीकंडक्टर हब के रूप में विकसित हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1960 के बाद दशकों तक गुजरात के विकास की गतिविधियां वापी से तापी के बेल्ट तक ही सीमित रही थीं। उस समय समुद्र, रण और पहाड़ी क्षेत्र वाले गुजरात में विकास की कोई संभावना नहीं थी। बिजली, पानी, सड़क जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए कोई दिशा नहीं थी, लेकिन पिछले दो दशक में गुजरात ने विकास की रफ्तार पकड़ी है। 2001 से ढाई दशक के विकास का आंकलन करें, तो गुजरात ने इस बात का प्रमाण दिया है कि विकास कैसा होना चाहिए, किस स्केल और कितनी गति का होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि आर्थिक विकास की यह योजना सूरत और आसपास के अन्य पांच जिलों के विकास का रोडमैप बनाएगी। राज्य सरकार आने वाले25 वर्ष के विकास को केंद्र में रखते हुए, डेवलपमेंट एक्शन प्लान के साथ योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ रही है। राज्य के विकास विजन को और भी

सांसद विनोद चावडा द्वारा अंजार के रेलवे क्रॉसिंग नं 10 पर अंडरपास का शिलान्यास

माननीय सांसद श्री विनोदभाई चावड़ा ने माननीय विधायक श्री त्रिकमभाई बिजलभाई छांगा की गरिमामयी उपस्थिति में 18 सितंबर 2024 को अहमदाबाद मंडल के गांधीधाम-भुज सेक्शन में स्थित रेलवे क्रॉसिंग संख्या 10 (किमी 15/7-8) पर अंडरपास (आरयूबी) निर्माण की आधारशिला रखी।

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर गांधीधाम-भुज सेक्शन में अंजार के पास स्थित रेलवे क्रॉसिंग संख्या 10 पर अंडरपास (आरयूबी) के निर्माण से अंजार कस्बे से वरसामेडी गाँव को जाने वाले 23 हजार से अधिक वाहन चालको को फायदा होगा तथा यातायात सुगम होगा और इसके माध्यम से वाहन चालकों के समय और ईंधन की बचत होगी जिससे आर्थिक और पर्यावरणीय लाभ भी होंगे। इस कार्य की अनुमानित लागत 09.87 करोड़ रुपये है और इसे एक वर्ष के भीतर पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

गांधीधाम के एरिया मैनेजर श्री आशीष धानिया ने उपस्थित गणमान्य अथितियों का स्वागत किया इस अवसर पर बड़ी संख्या पर लोग उपस्थित रहे।

पांच साल की मासूम बच्ची से शारीरिक छेड़छाड़ के आरोपी को 7 साल की कैद, 30 हजार का जुर्माना

कच्छ (ईएमएस) भुज की अदालत ने पांच साल की मासूम बच्ची के साथ शारीरिक छेड़छाड़ के मामले में आरोपी को दोषी करार देते हुए 7 साल की कैद और रु. 30000 जुर्माने का आदेश दिया है बता दें कि राज्य में दुष्कर्म के मामलों में आरोपियों को कड़ी सजा दी जा रही है। गृह विभाग के आदेश और पुलिस की त्वरित कार्रवाई के कारण दुष्कर्म पीड़िताओं को त्वरित न्याय मिल रहा है। ऐसी ही एक घटना कच्छ जिले के भुज से सामने आई है भुज के शेख मुहल्ले में रहनेवाली 5 वर्षीय मासूम बच्ची जब बाल मंदिर से अपने घर लौट रही थी,

उस वक्त पान-बीड़ी की दुकान चलाने वाला 50 वर्षीय हीरालाल रामबहादुर जादव उसे चॉकलेट देने के बहाने दुकान के भीतर ले गया जहां उसके साथ इस हैवानियत के साथ शारीरिक छेड़छाड़ की जिससे बच्ची के शरीर पर कई जगह खरोंच आ गई घटना के बाद घर पहुंचने पर बेटी के कपड़े बदलते वक्त उसके शरीर पर खरोंच देख मां ने इस बारे में उससे इस बारे में पूछा तब पूरा मामला सामने आ गया जिसके बाद 15 फरवरी को बच्ची के पिता ने भुज पुलिस में उत्तर प्रदेश के मूल निवासी हीरालाल जादव के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी पुलिस ने आरोपी हीरालाल को गिरफ्तार कर लिया और कोर्ट में उसके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल कर दिया भुज की स्पेशल पोक्सो कोर्ट ने 11 दस्तावेजी प्रमाण और 6 गवाहों के बयान के आधार पर आरोपी को दोषी करार देते हुए 7 साल की सजा और रु. 30 हजार जुर्माने का आदेश दिया है जुर्माने की रकम से रु. 20 हजार बतौर मुआवजा पीड़ित परिवार को देने का आदेश दिया है

स्टील कारोबार के विस्तार के लिए बीसी जिंदल ग्रुप कंपनी, जिंदल इंडिया लिमिटेड को रु. 1500 करोड़ से ज्यादा का निवेश करेंगे

नई दिल्ली, 19 सितंबर, 2024: भारत की अग्रणी डाउनस्ट्रीम स्टील कंपनियों में से एक, जिंदल इंडिया लिमिटेड ने रुपये की लागत से 0.6 मिलियन मीट्रिक टन की रणनीतिक क्षमता विस्तार की घोषणा की है। ने 1,500 करोड़ से अधिक के पूंजीगत व्यय की घोषणा की है, जो इसकी वर्तमान वार्षिक क्षमता 1 मिलियन मीट्रिक टन से 60 प्रतिशत अधिक है। वर्ष 1952 में स्थापित, जिंदल इंडिया लिमिटेड प्रसिद्ध बी.सी. के साथभारत का अग्रणी समूह है। जिंदल ग्रुप का हिस्सा है. रु.18,000 करोड़ से अधिक के कारोबारके साथ, समूह पैकेजिंग फिल्मों, ऊर्जा और इस्पात उत्पादों जैसे व्यवसायों के विविध पोर्टफोलियो में काम करता है।

लेपित फ्लैट उत्पादों, पाइप और क्रैश बैरियर पर ध्यान केंद्रित करने वाली नई अतिरिक्त क्षमता से उत्पादन वित्त वर्ष 2025 से शुरू होगा और वित्त वर्ष 2026 तक पूरी तरह से चालू होने की उम्मीद है। यह क्षमता विस्तार मुख्य रूप से फ्लोटेड फ्लैट उत्पादों के लिए एक नई लाइन को जोड़ना है। इससे जिंदल इंडिया को अपने मौजूदा उत्पादों के लिए उत्पादन क्षमता बढ़ाने और आयात प्रतिस्थापन में योगदान देने और नवाचार और बाजार विकास के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को मजबूत करने के लिए सौर और घरेलू उपकरणों जैसे नए क्षेत्रों में अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार करने में मदद मिलेगी।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, ''हमारा रणनीतिक विस्तार बुनियादी ढांचे के विकास के लिए सरकार के प्रयासों के अनुरूप है। क्रैश बैरियर जैसे महत्वपूर्ण सुरक्षा उपकरणों के साथ देश के राजमार्ग नेटवर्क का त्वरित विस्तार ही वह जगह है जहां जिंदल इंडिया मूल्य जोड़ रहा है। हमारा लक्ष्य देश में अपनी भौगोलिक उपस्थिति का विस्तार करना, कलर कोटेड शीट जैसे उत्पादों में अपना प्रभुत्व मजबूत करना और सोलर जैसे नए सेगमेंट सहित अपने उत्पाद पोर्टफोलियो में विविधता लाना है, जहां हम अपने उत्पादों का उपयोग सोलर माउंटिंग संरचनाओं के निर्माण में कर सकते हैं।

भोपाल हिट एंड रन केसः नाबालिग के बाद उसका बिल्डर पिता भी गिरफ्तार, एक की मौत

अहमदाबाद,19 सितंबर

बोपल हिट एंड रन मामले में दुर्घटना करने वाले नाबालिग के बिल्डर पिता को गिरफ्तार कर लिया गया है। शहर के भोपाल इलाके में बुधवार रात एक बिल्डर का नाबालिग बेटा अपनी मर्सिडीज कार पूरी स्पीड में चलाकर भाग गया। हादसे में उत्तर प्रदेश के मूल निवासी की मौत हो गई। भोपाल पुलिस ने बिल्डर को गिरफ्तार कर लिया है.

भोपाल में हिट एंड रन की घटना हुई, जिसमें बिल्डर मिलाप शाह के नाबालिग बेटे ने फुल स्पीड में मर्सिडीज कार चलाकर एक्सीडेंट कर दिया. इस घटना में गोविंद सिंह (उम्र 34 वर्ष) नामक व्यक्ति की मौत हो गई, जो मूल रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला था और यहां गार्ड के रूप में काम करता था। पूरे मामले की जांच के लिए भोपाल पुलिस कार बिल्डर के पास पहुंची. जिसमें पुलिस ने एक्सीडेंट करने वाले नाबालिग को हिरासत में लिया और पिता को गिरफ्तार कर लिया.

बिल्डरने बयान में खुलासा किया कि उसने नाबालिग बेटे को कार ले जाने की इजाजत दी थी. इसके बाद नाबालिग कॉफी बार जाने के लिए निकली, इसी दौरान यह हादसा हो गया। आरोपियों को पकड़ने के लिए भोपाल पुलिस ने एलसीबी, एसओजी टीमों का गठन किया

भोपाल पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और मौके पर मौजूद लोगों के बयान लेने के बाद कोर्ट में रिपोर्ट पेश की. एक्सीडेंट की घटना को लेकर पिता के दो दिन से फरार होने के कारण भोपाल पुलिस ने एलसीबी, एसओजी टीमें गठित कर आरोपियोंकोपकड़नेके लिए ऑपरेशन शुरू किया। आखिरकार बिल्डर मिलम शाह को भोपाल-आमली रोड से गिरफ्तार कर लिया गया.उसमें पुलिस ने रिमांड लिया है. नाबालिग एमबीए कर रहा है और उसने अंतरिम जमानत के लिए आवेदन किया है क्योंकि उसकी परीक्षाएं शुरू होने वाली हैं। वहीं कोर्ट ने नाबालिग के भविष्य को ध्यान में रखते हुए परीक्षा देने के लिए 24 सितंबर तक अंतरिम जमानत दे दी है.

राजकोट रेल मंडल द्वारा जागरूकता प्रभातफेरी निकाली गयी

'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के अंतर्गत राजकोट मंडल में 17 सितम्बर से लेकर 2 अक्टूबर, 2024 तक कई गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में राजकोट मंडल में आज जागरूकता प्रभातफेरी निकाली गयी। राजकोट स्थित डीआरएम ऑफिस से निकाली गई प्रभातफेरी कोठी कंपाउंड रेलवे कॉलोनी, रेलवे स्टेशन रोड और रेलवे अस्पताल होते हुए वापिस डीआरएम ऑफिस में समाप्त हुई। प्रभातफेरी के माध्यम से राजकोट मंडल रेल प्रबंधक श्री अश्वनी कुमार ने रेल अधिकारियों व कर्मियों से कार्यालय स्थल और रेलवे कॉलोनी को स्वच्छ रखने में हर संभव प्रयास करने के लिए अपील की। प्रभातफेरी के दौरान स्काउट गाइड तथा सिविल डिफेंस स्टाफ ने हाथों में पट्टी लेकर 'स्वच्छ रहेगा हिन्दुस्तान, स्वस्थ्य रहेगा हिन्दुस्तान' सहित कई स्लोगन से लोगों को स्वच्छ रहने के लिए जागरूक किया। राजकोट मंडल के एडीआरएम श्री कौशल कुमार चौबे, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सुनील कुमार मीना, वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक श्री जे एच डामोर, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर श्री अभिषेक कुमार सिंह सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ रेलवे अधिकारी, रेलकर्मी, आरपीएफ, स्काउट गाइड तथा सिविल डिफेंस स्टाफ ने प्रभातफेरी में भाग लेकर अपने वातावरण को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया।

गोदरेज एंड बॉयस ने महाराष्ट्र में 25 मेगावाट की ग्राउंड-माउंटेड सौर परियोजना शुरू की

मुंबई, 19 सितंबर, 2024: गोदरेज एंटरप्राइज ग्रुप का हिस्सा, गोदरेज एंड बॉयज़ के इलेक्ट्रिकल्स और इलेक्ट्रॉनिक्स व्यवसाय ने महाराष्ट्र स्टेट पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड के लिए धुले, महाराष्ट्र में 25 मेगावाट एसी ग्राउंड-माउंटेड सौर परियोजना शुरू करने की घोषणा की है। . यह विशाल परियोजना 52 हेक्टेयर भूमि पर फैली हुई है, जिससे सालाना 45 मिलियन यूनिट बिजली पैदा होगी। सौर संयंत्र खुले बाजार में बिजली की आपूर्ति करेगा, जिससे महाराष्ट्र की नवीकरणीय ऊर्जा महत्वाकांक्षाओं में योगदान मिलेगा। यह परियोजना टिकाऊ ऊर्जा और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति गोदरेज एंड बॉयस की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

गोदरेज एंटरप्राइजेज का हिस्सा, गोदरेज एंड बॉयस के कार्यकारी उपाध्यक्ष और बिजनेस हेड, इलेक्ट्रिकल्स और इलेक्ट्रॉनिक्स बिजनेस, राघवेंद्र मिर्जी ने कहा, ''भारत ने वादे के अनुसार 2030 तक 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ईंधन-आधारित ऊर्जा प्राप्त करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। पंचामृत पहल के तहत ण्ध्ज्26 पर। यह लक्ष्य नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की अभूतपूर्व वृद्धि को दर्शाता है। गोदरेज एंड बॉयस में हम 'मेक इन इंडिया' पहल का समर्थन करके इस दृष्टिकोण में योगदान करने पर गर्व महसूस करते हैं। हम प्रत्येक परियोजना की अनूठी चुनौतियों का सामना करने के लिए अनुकूलित समाधान विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और यह 25 मेगावाट की सौर स्थापना भारत के लिए नवाचार करने की हमारी क्षमता को मजबूत करती है, जो एंड-टू-एंड समाधान डिजाइन करती है जो सावधानीपूर्वक अधिकतम दक्षता के साथ पर्यावरण के अनुरूप बनाई जाती है . महाराष्ट्र के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों में योगदान देने के अलावा, यह परियोजना भारत के स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण को तेज करने में निजी कंपनियों की महत्वपूर्ण भूमिका को भी प्रदर्शित करती है।

मनाबा फाइनेंस लिमिटेड का प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव सोमवार, 23 सितंबर, 2024 को रुपये के मूल्य बैंड के साथ खुलेगा

अहमदाबाद, 19 सितंबर, 2024: मनबा फाइनेंस लिमिटेड, न्यू टू-व्हीलर (2,) थ्री-व्हीलर (3), इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर (2), इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर (3), प्रयुक्त कारें, लघु व्यवसाय ऋण और व्यक्तिगत एनबीएफसी-बीएल ऋण के लिए एक वित्तीय समाधान प्रदाता है। अपनी पहली आरंभिक सार्वजनिक पेशकश के लिए, कंपनी ने रु। 10/- प्रत्येक (ठइक्विटी शेयरठ) रुपये के मूल्य बैंड के साथ। 114/- रु. 120/- प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है।

कंपनी की प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (ठआईपीओठ या ठऑफरठ) सदस्यता के लिए सोमवार, 23 सितंबर, 2024 को खुलेगी और बुधवार, 25 सितंबर, 2024 को बंद होगी। निवेशक न्यूनतम 125 इक्विटी शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं और उसके बाद 125 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगानी होगी। आईपीओ पूरी तरह से 1,25,70,000 शेयरों का एक ताज़ा मुद्दा है जिसमें बिक्री घटक की कोई पेशकश नहीं है। कंपनी अपने ताज़ा इश्यू से प्राप्त आय का उपयोग भविष्य की पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक बड़ा फंड आधार बनाने में कर रही है।

AMC ने गरीबों के साथ किया मजाक! 15 साल पहले बने 514 मकानों का अब तक नक्शा नहीं, अब टूटेंगे सभी

अहमदाबाद,19 सितम्बर

अहमदाबाद नगर निगम की ओर से वटवा में 15 साल पहले तैयार की गई ईडब्ल्यूएस आवास योजना के 514 मकानों को बिना इस्तेमाल किए ही तोड़ दिया जाएगा। 15 वर्षों में एक भी आवास आवंटित नहीं किया गया, जिसके कारण आवास जर्जर हो गये. एएमसी द्वारा ईडब्ल्यूएस आवासों को ध्वस्त करने का निर्णय विवादास्पद रहा है क्योंकि घरों की संरचनात्मक स्थिरता रिपोर्ट नकारात्मक आई थी।

विपक्ष के नेता शहजाद खान पठान का कहना है कि अहमदाबाद शहर में आज भी कई स्लम एरिया हैं, जिनमें रहने के लिए घर नहीं हैं. तो सवाल ये है कि बीजेपी इतने सालों में झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों को घर नहीं दे पाई. अब जब आवासीय भवन को तोड़ने का निर्णय लिया गया है. शहजादखान का आरोप है कि जिस समय आवास बनाया गया था, उस समय हाटकेश्वर ब्रिज जैसी बड़ी क्षति हुई थी।

एएमसी ने वटवा में करोड़ों की लागत से तैयार हुए ईडब्ल्यूएस आवास योजना के 514 मकानों को 15 साल की जर्जरता के बाद तोड़ने का फैसला किया है। इससे खाद पर दिवाल जैसा फफूंद बन गया है। 15 साल पहले 514 मकानों को बनाने में करोड़ों खर्च हुए थे और अब इन मकानों को तोड़ने में भी करोड़ों खर्च होंगे.

तो फिर सवाल उठता है कि अहमदाबाद नगर निगम ने इतने सालों तक किसी को आवासीय मकान आवंटित क्यों नहीं किया? जब तक मकान खंडहर जैसे नहीं हो गए तब तक उनकी देखभाल क्यों नहीं की गई?विपक्षनेइसपूरेमामले में लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है.

गुजरात में राज्य की पहली ग्रेन एटीएम, दुकान दार की अनुपस्थिति में ग्राहकों को मिलेगा

भावनगर (ईएमएस) राज्य के राशन कार्ड धारकों के लिए अच्छी खबर आई है राशन कार्ड धारकों को अब अनाज लेने के लिए दुकान के खुलने या लंबी कतारों में खड़े होने की जरूरत नहीं होगी अब दुकानदार के नहीं रहने पर भी ग्राहक को अनाज मिलेगा दरअसल भावनगर में गुजरात का पहला ग्रेन एटीएम लगाया गया है, जिससे राशन कार्ड धारक 24 घंटों में कभी भी अनाज प्राप्त कर सकेंगे भावनगर में 24 घंटे के भीतर 198 लाभार्थियों ने अन्नपूर्ति अनाज मशीन एटीएम का लाभ उठाया। 198 लाभार्थियों में से 10 अंत्योदय कार्ड धारकों और 188 एनएफएसए कार्ड धारकों ने इस ग्रेन मशीन यानी अन्नपूर्ति अनाज मशीन एटीएम का लाभ उठाया। अनाज एटीएम मशीन के माध्यम से 1584 किलोग्राम मात्रा में गेहूं एवं 2344 किलोग्राम मात्रा में चावल वितरित किया गया। अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम मशीन मात्र 40 सेकंड में 25 किलो अनाज निकाल देती है, वह भी 100 प्रतिशत सटीकता के साथ। इस मशीन की अधिकतम क्षमता 2500 किलोग्राम है। साथ ही यह वितरण की एक सरल प्रक्रिया है। इस मशीन की पोर्टेबिलिटी इसकी खासियत है इसे एफपीएस पर आसानी से इंस्टॉल किया जा सकता है। साथ ही यह स्वचालित है और इसमें अनाज की रिफिलिंग हो सकती है। इस मशीन के लगने से कई फायदे होंगे, जैसे- वजन चोरी कम होने से अनाज वितरण में सटीकता बढ़ेगी। दूसरी ओर, एफपीएस के बाहर लाभार्थियों की लंबी कतार कम हो जाएगी। साथ ही यह मशीन 24स7 चालू रहेगी, जिससे इसका लाभ कभी भी लिया जा सकता है वन नेशन वन राशन कार्ड के प्रवासी लाभार्थियों को आसानी से लाभ पहुंचाने के लिए संबंधित स्थान पर मशीन लगाई जाएगी, ताकि लाभार्थियों को सुविधा हो सके। मशीनीकरण से एफपीएस डीलरों की सुविधा बढ़ेगी, जिससे एफपीएस के संचालन की निगरानी पर सरकार का खर्च भी कम होगा। ग्रेन एटीएम, एक तरह की ऑटोमैटेड मशीन है जिससे राशन कार्ड धारक गेंहू और चावल जैसे अनाज निकाल सकते हैं ग्रेन एटीएम से अनाज निकालने के लिए राशन कार्ड नंबर या आधार कार्ड नंबर दर्ज करना होता है इसके बाद अपनी बोरी एटीएम में लगानी होती है और अनाज मिल जाता है ग्रेन एटीएम से अनाज निकालने के लिए बायोमेट्रिक सत्यापन की सुविधा भी होती है

भादौ पूर्णिमा के महामेला के दौरान जी एस आर टी सी ने की 7.74 करोड़ की कमाई

अहमदाबाद (ईएमएस) उत्तर गुजरात स्थित शक्तिपीठ अम्बाजी में भादौ पूर्णिमा का महामेला संपन्न हो चुका है एक सप्ताह तक चले इस मेले के दौरान गुजरात समेत देशभर से लाखों श्रद्धालु दर्शन करने अम्बाजी पहुंचे अम्बाजी आनेवाले श्रद्धालुओं के लिए गुजरात राज्य पथ परिवहन निगम (जीएसआरटीसी) की ओर से 5136 बसें लगाई गई थी ताकि किसी भी श्रद्धालु को किसी प्रकार की असुविधा ना हो एक सप्ताह चले इस मेले के दौरान जीएसआरटीसी ने रु. 7.74 करोड़ की कमाई की है हर साल अम्बाजी भादौ पूनम के मेले से जीएसआरटीसी को अच्छा खासा राजस्व मिलता है। बुधवार को अम्बाजी का महामेला संपन्न हो गया मेले के दौरान एसटी विभाग को 7.74 करोड़ रुपए की आय होने की बात सामने आई है मेले के दौरान 10.88 लाख श्रद्धालुओं ने बस से यात्रा की। यात्रियों के लिए जीएसआरटीसी द्वारा 5,136 बसें लगाई गई थी जिसमें 5,136 बसों की सहायता से 26,550 ट्रीपें संचालित की गईं। 12 से 18 सितंबर तक अतिरिक्त बसें संचालित की गईं। 13 सितंबर को सबसे ज्यादा 2.17 लाख पर्यटकों ने यात्रा की थी बता दें कि भादौ पूर्णिमा के महामेला के दौरान लाखों की संख्या में श्रद्धालु पदयात्रा कर अम्बाजी पहुंचते हैं लेकिन वापसी के दौरान ज्यादातर बसों का उपयोग करते हैं जिसे देखते हुए जीएसआरटीसी द्वारा यात्रियों की भारी संख्या को देखते हुए अतिरिक्त बसों का संचालन किया जाता है इस बार 5,136 बसों द्वारा 26,550 फेरे संचालित किये गये। इन यात्राओं से एसटी निगम को 7.74 करोड़ रुपये की आय दर्ज की गई है

जीएसआरटीसी बस की महिला कंडक्टर और महिला यात्री के बीच फुटकर को लेकर मारपीट

अरावल्ली (ईएमएस) गुजरात राज्य पथ परिवहन निगम (जीएसआरटीसी) बस की महिला कंडक्टर और महिला यात्री के बीच मारपीट का मामला सामने आया है यह घटना अरवल्ली जिलेमें मेघरज-मोडासा के बीच चलनेवाली जीएसआरटीसी बस की है जिसमें बस की महिला कंडक्टर और महिला यात्री बस में ही एक-दूसरे के बाल खींचती और झगड़ती नजर आई जिसके बाद बस में सफर कर रहे अन्य यात्रियों ने दोनों को अलग करने की कोशिश की और मामला शांत कराया इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जानकारी के मुताबिक अरवल्ली जिले के मेघरज से जीएसआरटीसी की बस मोडासा जा रही थी उस वक्त बस में फुटकर को लेकर महिला कंडक्टर और महिला यात्री के बीच मारपीट हो गई टिकट के बचे हुए पैसे को लेकर महिला कंडक्टर और महिला यात्री के बीच झगड़ा हो गयाष

बीजेपी में बढ़ रहा विवादः अब नेता ने जवाहर चावड़ा पर लगाया आरोप

अहमदाबाद,19 सितंबर

जवाहर चावड़ा का आरोपः एक तरफ बीजेपी में सदस्यता को लेकर विवाद चल रहा है, जवाहर चावड़ा ने जूनागढ़ बीजेपी संगठन को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि, 'चुनाव के दौरान सभी नेता पार्टी विरोधी काम कर रहे हैं.' जिसमें 2017 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और 2019 में तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष जीतू वाघानी को लिखे पत्र को लेकर सोशल मीडिया माध्यम 'एक्स' पर एक पोस्ट शेयर किया गया है. दिनेश कटारिया ने कहा, 'जवाहर चावड़ा ने सस्ती पब्लिसिटी के लिए ये सब किया.'

बीजेपी नेता दिनेश कटारिया ने जवाहर चावड़ा को लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया है. कटारिया ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि जवाहर चावड़ा ने मनसुख मंडाविया और अरविंद लदानी को हराने के लिए कई प्रयास किए। लेकिन, दोनों चुनाव जनता के प्यार से जीते हैं। जवाहर चावड़ा ने सस्ती पब्लिसिटी के लिए ये सब किया. '

2017 में जवाहर चावड़ा ने आरोप लगाया था कि किरीट पटेल और खत्रिय ने बीजेपी उम्मीदवार नितिन फालदू को हराने के लिए काम किया था. इसे लेकर फलदू ने बीजेपी संगठन से भी शिकायत की. इसकेअलावाजवाहरचावड़ा ने जूनागढ़ बीजेपी अध्यक्ष किरीट पटेल पर भी आरोप लगाया. जब जूनागढ़ के बीजेपी नेता नीलेश धुलेशिया, वंथली तालुक के बीजेपी नेता टीनूभाई फल्दू समेत कई नेताओं ने जवाहर चावड़ा पर आरोप लगाया कि, 'मुझे हराने की कोशिश की जा रही है.'

दो साल पहले विवाहिता की हत्या कर फरार आरोपी उड़ीसा से गिरफ्तार

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर के पूर्वी क्षेत्र नरोडा में वर्ष 2022 में हुई विवाहित महिला की हत्या के आरोपी को अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने उड़ीसा से गिरफ्तार कर लिया विवाहिता के शादी करने से इंकार करने पर आरोपी प्रेमी ने गला घोंटकर हत्या कर दी थी और फरार हो गया था जानकारी के मुताबिक पूर्वी अहमदाबाद के नरोडा जीआईडीसी स्थित अर्चित ऑर्गेनिक्स लिमिटेड नामक कंपनी के प्लॉट में 30 सितंबर 2022 कोमधु डामोर नामक विवाहित महिला का शव मिला था विवाहिता की हत्या का गला घोंटकर की गई थी इस मामले में अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने आरोपी पंकज साव को उड़ीसा से गिरफ्तार कर लिया है आरोपी पंकज साव और मृतका मधु डामोर के बीच प्रेम संबंध थे लेकिन मधु डामोर ने शादी से इंकार किया तो पंकज ने उसे मार डाला और फरार हो गया था हत्या के बाद पंकज साव राजस्थान के कोटा स्थित अपने मामा के घर कुछ समय तक छिपा रहा जिसके बाद वह उड़ीसा के सोनपुर पहुंच गया जहां एक मिठाई की दुकान में बतौर हलवाई काम कर रहा था इसकी जानकारी मिलते ही अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने आरोपी पंकज साव को उड़ीसा के सोनपुर से गिरफ्तार कर लिया जांच में खुलासा हुआ कि मृतका मधु डामोर और आरोपी पंकज सावन नरोडा जीआईडीसी की अर्चित ऑर्गेनिक्स कंपनी में नौकरी करते थे वर्ष 2021 में दोनों के बीच प्रेम संबंध कायम हुए मधु डामोर ना सिर्फ विवाहित थी बल्कि दो संतानों की माता भी थी जबकि बिहार मूल का पंकज अविवाहित था और अकेला रहता था इस वजह से मधु डामोर और उसके पति अमरत डामोर के कहने पर पंकज साव उनके घर रहने लगा एक दिन अमरत डामोर ने अपनी पत्नी मधु को पंकज साव के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया और उसके बाद उसे घर से निकाल दिया जिसके बाद पंकज साव अपनी बहन की शादी में बिहार गया था, उस दौरान उ